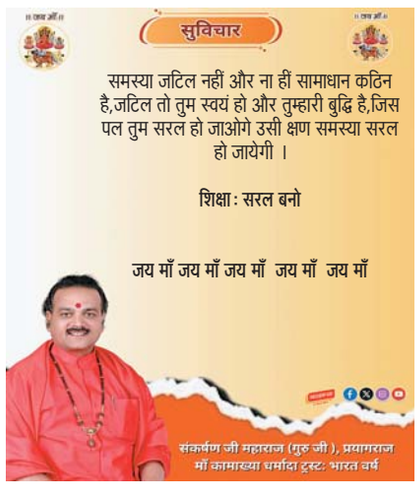

दैनिक हिन्द मित्र

सशक्त विचार

बाजार भाव	
सोना (10g)	1, 53,910
चांदी (1Kg)	2,65,000
डॉलर	94.78
निफ्टी	24,044.35
सेंसेक्स	76,913.50

www.dainikhindmitra.com रायपुर, सोमवार, 04 मई-2026-03 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-विक्रम संवत-2083-बहुभाषी (सोमवार से शनिवार) वर्ष-05 . अंक-271-पृष्ठ-8-मूल्य -3.00 रुपए

न्यूज क्विक

शराब घोटाले में 5.39 करोड़ की संपत्ति जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 30 अप्रैल को रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। अब तक की कार्रवाई में 53 लाख रुपए कैश, 3.234 किलो सोना और जरूरी डॉक्यूमेंट बरामद किए गए हैं। जिसकी कुल कीमत करीब 5 करोड़ 39 लाख रुपये हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है। ईडी ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। हालांकि किस व्यापारी के घर क्या कितना मिला, यह डिस्क्लोज नहीं किया गया है। इस घोटाले में अभी 81 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई चल रही है और अब तक 380 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलकर कूदा

चेन्नई। चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह लैंडिंग के दौरान एयर अरेबिया की चलती फ्लाइट में एक यात्री इमरजेंसी गेट खोलकर नीचे कूद गया। यह फ्लाइट शारजाह से चेन्नई पहुंची थी और इसमें 231 यात्री सवार थे। घटना सुबह करीब 3:23 बजे हुई। एयरबस ए320 मॉडल की फ्लाइट जी9 471 रनवे से टर्मिनल की ओर बढ़ रही थी। घटना के बाद पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया और एयरपोर्ट अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद सीआईएसएफ, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा कर्मियों ने आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया है। आरोपी की पहचान 29 साल के मोहम्मद शरीफ मोहम्मद नजमुद्दीन के रूप में हुई है।

सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क पकड़ा

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीमा पार से चल रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से कुल सात अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की गई हैं। बरामद हथियारों में दो ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल (ऑस्ट्रिया निर्मित), चार .30 बोर पिस्तौल (चीन निर्मित) तथा एक अतिरिक्त .30 बोर पिस्तौल शामिल है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। ये लोग अवैध हथियारों की खेप प्राप्त कर पंजाब में आपराधिक तत्वों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे। यह नेटवर्क संगठित तरीके से काम कर रहा था और इसका उद्देश्य राज्य में अपराध को बढ़ावा देना था।

आधार नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार 4 मई को आधार कार्ड जारी करने के नियमों को सख्त बनाने से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई कर सकता है। इस याचिका में मांग की गई है कि आधार जारी करने की प्रक्रिया में सख्त गाइडलाइन बनाई जाए ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके। जनहित याचिका दायर करते हुए याचिकाकर्ता ने कहा है कि नए आधार कार्ड केवल 6 साल तक के बच्चों को जारी किए जाएं और किशोरों व वयस्कों के लिए अलग नियम बनाए जाएं। जानकारी के मुताबिक इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बेंच करेगी।

बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजे आजः ममता मजबूत या बीजेपी को बड़ा मौका?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के साथ ही अन्य चार राज्यों के चुनाव नतीजे सोमवार को मतगणना के साथ ही आने वाले हैं। पर सबसे ज्यादा बंगाल पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। इस बार का चुनाव सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं माना जा रहा, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाला निर्णायक बताया जा रहा है।

वोटों को खोने के डर से गोरक्षा पर सख्त निर्णय नहीं लेती सरकारः स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से रविवार को गोविष्टि यात्रा का शुभारंभ हुआ। भारत माता मंदिर, सहारा स्टेट के सामने आयोजित कार्यक्रम में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में न केवल धार्मिक मुद्दों को उठाया, बल्कि सरकार, राजनीति, वोट बैंक और सामाजिक मानसिकता पर भी तीखे सवाल खड़े किए। उनके भाषण में आक्रोश, आह्वान और आंदोलन की स्पष्ट झलक देखने को मिली। शंकराचार्य ने राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गाय की रक्षा के मुद्दे पर अपेक्षित दृढ़ता नहीं दिखा पा रहे हैं। उनके अनुसार यदि नेतृत्व में साहस होता, तो बिना किसी दबाव के गोमाता को राज्यमाता घोषित किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री में इच्छाशक्ति होती, तो वे केंद्र की परवाह किए बिना यह निर्णय ले सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्योंकि वोट बैंक की राजनीति हावी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार मुस्लिम और अन्य समुदायों के वोटों को खोने

के डर से गोरक्षा जैसे मुद्दों पर सख्त निर्णय नहीं लेती। शंकराचार्य ने अपने संबोधन की शुरुआत एक गंभीर आरोप से की। उन्होंने कहा कि गोविष्टि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें कई तरह की धमकियां मिलीं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे किसी भी प्रकार के डर से पीछे हटने वाले नहीं हैं। उनका कहना था कि किसी के माई के लाल में हिम्मत नहीं है कि हमें मरवा दे। अगर कोई पार्टी ऐसा करने की कोशिश करेगी, तो वह सत्ता से बेदखल हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डराने का प्रयास इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे जनता की वास्तविक भावनाओं और मुद्दों को सामने ला रहे हैं। उनके अनुसार, गोरखपुर की जनता निडर है और वह सच्चाई के साथ खड़ी है, लेकिन कुछ शक्तियां इस आवाज को दबाना चाहती हैं।

गोविष्टि यात्रा को लेकर उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य देश में गाय की रक्षा और उसके सम्मान को लेकर जनजागरण करना है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार है। गाय को माता कहकर पुकारते हैं, लेकिन व्यवहार में उसके साथ वैसा सम्मान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गाय के प्रति केवल भावनात्मक जुड़ाव पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी सुरक्षा और सम्मान के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। इस यात्रा के माध्यम से वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और गोरक्षा को जनआंदोलन बनाने की कोशिश करेंगे।

सरकार पर निशाना : अपने भाषण में शंकराचार्य ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में हिंदू हितों की प्रतिनिधि होती, तो अब तक गोमाता की रक्षा के लिए ठोस और प्रभावी नीतियां लागू हो चुकी होतीं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अन्य देशों में वहां के धार्मिक समुदायों की बात सुनी जाती है, तो भारत में गोमाता की रक्षा की मांग क्यों नहीं सुनी जाती उन्होंने यह भी कहा कि इससे यह संकेत मिलता है कि देश में न तो हिंदू राष्ट्र की अवधारणा लागू है और न ही सत्ता में बैठी पार्टी पूरी तरह हिंदू हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। शंकराचार्य ने अपने भाषण में वेदों और धार्मिक ग्रंथों का भी उल्लेख किया।

पीएम मोदी ने गैलेक्सीआई टीम को दी बधाई

मिशन दृष्टि सफलतापूर्वक लॉन्च

-अब मौसम आपदा, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिलेगी

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित एक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सी आई द्वारा विकसित उपग्रह मिशन दृष्टि रविवार को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया। इस उपग्रह से मौसम आपदा के असर, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए गैलेक्सीआई के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा- गैलेक्सीआई द्वारा शुरू किया गया मिशन दृष्टि अंतरिक्ष यात्रा में एक अहम उपलब्धि है। विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का

प्रमाण है। गैलेक्सीआई के संस्थापकों और पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। रविवार को 190 किलोग्राम वजनी मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। इस विशेष उपग्रह की विशेषता यह है कि इसमें एक ही उपग्रह पर मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार इमेजर लगा हुआ है।

दृष्टि मिशन का मूल आधार ऑप्टोसार नामक एक नवीन हाइब्रिड प्रणाली है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑप्टिकल इमेजिंग और सिंथेटिक एपर्चर रडार को संयोजित करने वाली तकनीक है। परंपरागत रूप से उपग्रह या तो ऑप्टिकल सेंसर या फिर रडार पर निर्भर करते हैं। ऑप्टिकल सिस्टम तस्वीरों के समान विस्तृत और कलर्ड फोटो कैप्चर करते हैं, लेकिन बादल छाए रहने और अंधेरे से जमीनी तस्वीर स्पष्ट नहीं मिलती है। दूसरी ओर रडार सिस्टम बादलों के पार देखने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करते हैं और रात में भी काम करते हैं, हालांकि वे आमतौर पर कम स्पष्ट छवियां उत्पन्न करते हैं।

ऑप्टोसार एक ही उपग्रह में दोनों तकनीकों को एकीकृत करके इस अंतर को पाटता है। यह एक ही बार में ऑप्टिकल और रडार डाटा को एक साथ कैप्चर करता है, फिर आउटपुट को एक एकीकृत छवि में मिलाता है। परिणामस्वरूप हर मौसम में बादलों के रहते हुए भी पृथ्वी की अत्यंत विस्तृत तस्वीरें मिल सकेंगी।

यहां दुनिया के लिए रॉकेट बनेंगे

देश की पहली स्पेस सिटी जल्द, आंध्र में इसी महीने से आकार लेगी

अमरावती। यदि सबकुछ योजना के अनुसार हुआ तो इसी महीने देश की पहली स्पेस सिटी बननी शुरू हो जाएगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पिछले साल इसका आइडिया सामने रखा था। उनकी सरकार अब इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर चुकी है। इस 'अंतरिक्ष शहर' में न केवल सैकड़ों छोटी कंपनियां रॉकेट के पुर्जे, सेंसर बनाएंगी, बल्कि स्काईरूट, कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स, एचएफसीएल जैसी बड़ी कंपनियां दुनियाभर के लिए प्राइवेट रॉकेट बनाकर देंगी। सरकार ने यहां 570 एकड़ का स्टार्टप एक्टिवेशन जोन बनाया है, जिसमें अग्निकुल, कॉसमॉस, पिक्सेल जैसे स्पेस स्टार्टअप भविष्य की अंतरिक्ष संभावनाओं को आकार देंगे।

यह सिटी गगनयान जैसे भारत के

महत्वाकांक्षी मिशनों के लिए बेस कैंप का काम करेगी। नायडू सरकार ने पांच राज्यों में सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों स्पेस सिटी की आधारशिला रखने की योजना तैयार की है। स्काईरूट के सीईओ पवन कुमार चंदना ने बताया कि तिरुपति जिले के थोट्टाम्बेडु मंडल के रौथुसुरमाला गांव में 2600 एकड़ जमीन तैयार की जा रही है। यह अंतरिक्ष औद्योगिक क्लस्टर होगा। यहां एयरोस्पेस, रक्षा विनिर्माण, निजी अंतरिक्ष इनोवेशन के अलग-अलग हब बनने हैं। इस पर 3400 करोड़ रु. से ज्यादा खर्च होंगे।

अदार पूनावाला-लक्ष्मी मित्तल बने नए मालिक

डेढ़ महीने के अंदर दूसरी बार बिकी राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली। आईपीएल की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स डेढ़ महीने के अंदर दूसरी बार बिक गई है। मशहूर उद्यमी लक्ष्मी एन मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने अदार पूनावाला के साथ मिलकर इस टीम को खरीदा। पूनावाला और मित्तल ने 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 15600 करोड़ रुपये से अधिक) की बोली लगाई। अमेरिकी मूल के बिजनेसमैन काल सोमानी के कंसोर्टियम इस दौड़ से हट गए जिसके बाद ये डील पूनावाला और मित्तल ने की।

यह करार राजस्थान रॉयल्स परिवार के अन्य लीगों को भी जोड़ता है जिसमें पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स भी शामिल हैं। यह करार तब पूरा होगा जब इसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), सीसीआई और आईपीएल शीर्ष परिषद की बैठक से मंजूरी मिलेगी। माना जा रहा है कि यह करार 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा हो सकता है। इससे पहले, सोमानी के नेतृत्व वाले अमेरिकी कंसोर्टियम ने 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 15290 करोड़ रुपये) की पेशकश

की थी, लेकिन सूत्रों के अनुसार कई मुद्दों के कारण यह उचित जांच प्रक्रिया में खरा नहीं उतर पाया। मित्तल परिवार ने बयान जारी कर कहा, लक्ष्मी एन मित्तल और आदित्य मित्तल ने आज घोषणा की है कि अदार पूनावाला के साथ मिलकर मनोज बदाले और उनके समूह से राजस्थान रॉयल्स का अधिग्रहण करने के लिए एक निश्चित समझौते पर सहमति बन गई है।

मित्तल परिवार के पास होगी 75 प्रतिशत हिस्सेदारी: बयान के अनुसार, मित्तल परिवार राजस्थान रॉयल्स में करीब 75 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगा, जबकि अदार पूनावाला के पास 18 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। शेष सात प्रतिशत मौजूदा निवेशक जिसमें मनोज बदाले भी शामिल हैं, उनके पास रहेगी।

जब तक बेटी को न्याय और दोषी को फांसी नहीं हो जाती कोई हमारे घर ना आए

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में चार साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या की दर्दनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस बीच पीड़ित परिवार की पीड़ा और न्याय की मांग ने एक नया मोड़ ले लिया है। बच्ची के पिता का एक भावुक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने हाथ जोड़कर राजनेताओं से अपील की है कि वे उनके घर न आएं। पीड़ित पिता ने साफ कहा है कि जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता और दोषी को फांसी नहीं हो जाती, तब तक कोई भी नेता संवेदना व्यक्त करने उनके घर न आए। उन्होंने कहा कि यह उनके परिवार की विनम्र अपील है और वे आरोपी को सजा मिलने के बाद ही किसी से मिलेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार का एकमात्र लक्ष्य आरोपी को मृत्युदंड दिलाना है।

इंदौर में होगा 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

11 देशों के कृषि मंत्री होंगे शामिल, 9 जून से तकनीकी बैठकें

भोपाल। इंदौर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिलने जा रही है। इस वर्ष भारत में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तहत कृषि मंत्रियों की अहम बैठक 12 और 13 जून को इंदौर में होगी।

इससे पहले 9 से 11 जून तक अधिकारियों की तकनीकी बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें विभिन्न देशों के विशेषज्ञ कृषि से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

भारत की अध्यक्षता में होने वाले इस सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया सहित कुल 11 देशों के कृषि मंत्री भाग लेंगे। बैठक में खाद्य सुरक्षा, टिकाऊ कृषि, तकनीकी आदान-प्रदान और डिजिटल कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर को इस आयोजन के लिए प्रस्तावित किया था, इस पर उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव को दी। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर दोनों नेता रविवार को इंदौर में बैठक करेंगे। इस बार सम्मेलन की थीम रेजिलिएंस, इनोवेशन, सहयोग और सतत विकास रखी गई है, जो वैश्विक कृषि सहयोग को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित होगी। गौरतलब हे कि पहले भी इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और कृषि समूह की बैठक सहित कई बड़े आयोजन हो चुके हैं।

प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष, प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी बधाई

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष मशहूर गीतकार प्रसून जोशी को नियुक्त किया है। प्रसून जोशी साहित्य, विज्ञापन, सिनेमा और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में व्यापक योगदान देने वाले एक प्रतिष्ठित रचनात्मक पेशेवर हैं। अपने प्रभावशाली लेखन और गहरी सांस्कृतिक संवेदनशीलता के लिए जाने जाने वाले प्रसून जोशी ने समकालीन भारतीय मीडिया की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई है। उनके कार्यों में प्रशंसित फिल्म गीत, विज्ञापन अभियान और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं जो देशभर के विविध दर्शकों से जुड़ती हैं।

भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट...

उत्तराखंड से आंध्र प्रदेश तक 12 राज्यों के जंगल धधक रहे

नई दिल्ली/भोपाल। देश में भीषण गर्मी और लू के बीच जंगलों में आग की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। सैटेलाइट डेटा के मुताबिक, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हालात गंभीर बने हुए हैं।

भारतीय वन सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, देश के 12 से अधिक राज्यों में बड़े पैमाने पर जंगल की आग फैली हुई है, जिससे विशाल वन क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। मई 2026 की शुरुआत में भीषण गर्मी के कारण मप्र के जंगलों में आग की घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं, और राज्य देश में इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित है। 1 मई तक के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 634 से अधिक बड़ी आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिससे वन्यजीवों और वन संपदा को भारी नुकसान हो रहा है। मप्र में औसतन हर दिन 60 जगहों पर आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि कई जगहों पर आग तीन दिनों से ज्यादा समय तक लगातार जलती रही। सबसे ज्यादा असर मप्र में देखने को मिला, जहां हाल के दिनों में 600 से ज्यादा बड़ी आग की घटनाएं दर्ज की गईं। इसके बाद महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी सैकड़ों घटनाएं सामने आई हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, असम और मणिपुर जैसे राज्यों में भी जंगलों में आग तेजी से फैल रही है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की।

भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल

नई दिल्ली। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है।

सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है।

यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके। भले ही चीन इसे रिसर्च वेसल कहे, लेकिन यह जहाज एडवांस सेंसर, सोनार और टेलीमेट्री उपकरणों से लैस है। यह भारत के मिसाइल परीक्षणों और पनडुब्बी की गतिविधियों को ट्रैक करने की क्षमता रखता है। इसके अलावा, मालदीव जैसे पड़ोसी देशों के बंदरगाहों का इस्तेमाल कर चीन भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति को भी चुनौती दे रहा है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां इस जासूसी जहाज की हर हलचल पर पैनी नजर रख रही हैं, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में इसकी मौजूदगी सीधे तौर पर भारत की समुद्री संप्रभुता और आगामी रणनीतिक परियोजनाओं को प्रभावित कर सकती है।

रुबात विवाद में कानूनी मोड़: सिकंदर हफीज ने आरिफ मसूद को भेजा 150 करोड़ का मानहानि नोटिस, 7 दिन में माफी की मांग

भोपाल, नप्र। मक्का-मदीना की रुबात को लेकर चल रहे विवाद में अब मामला कानूनी मोड़ पर पहुंच गया है। सिकंदर हफीज खान की ओर से आरिफ मसूद को 150 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा गया है। नोटिस सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता के माध्यम से 1 मई 2026 को जारी किया गया।

नोटिस में कहा गया है कि 29 अप्रैल के आसपास विधायक द्वारा विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सिकंदर हफीज के खिलाफ जो बयान दिए गए, वे पूरी तरह झूठे, निराधार और दुर्भावनापूर्ण हैं, जिनका उद्देश्य उनकी छवि को नुकसान पहुंचाना था।

बयानों से प्रतिष्ठा को नुकसान का दावा : नोटिस के अनुसार, इन कथित बयानों से हफीज की सामाजिक और पेशेवर साख को ठेस पहुंची है। यह भी कहा गया कि ऐसे आरोप जानबूझकर लगाए गए, ताकि उनकी छवि आम जनता के बीच खराब हो। कानूनी नोटिस में कहा गया है कि यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 356 के तहत मानहानि का अपराध है, जिसमें दो साल तक की सजा, जुर्माना या सामुदायिक सेवा का प्रावधान है।

150 करोड़ रुपए हर्जाने की मांग : नोटिस में कहा गया है कि इन बयानों से मानसिक पीड़ा, सामाजिक उपहास और प्रतिष्ठा की क्षति हुई है। इसी आधार पर 150 करोड़ रुपए के नुकसान का दावा किया गया है। नोटिस के जरिए विधायक से मांग की गई है कि वे 7 दिनों के भीतर लिखित और उसी माध्यम से बिना शर्त माफी मांगें, जिस माध्यम से कथित बयान दिए गए थे।

बयान हटाने और आगे रोक की मांग : इसके साथ ही सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया से सभी कथित आपत्तिजनक कंटेंट हटाने और भविष्य में ऐसे बयान न देने की भी मांग की गई है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि तय समय सीमा में मांगें पूरी नहीं होने पर सिकंदर हफीज की ओर से सिविल और आपराधिक दोनों तरह की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इन्हीं बयानों पर नोटिस

विधायक आरिफ मसूद ने हाल ही में रुबात मामले को लेकर बयान देते हुए कहा था कि हाजियों को पिछले कई वर्षों से रुबात नहीं मिल रही और इसमें सबसे बड़ा रोल सिकंदर हफीज और सबा का है। उन्होंने यह भी कहा था कि जांच नहीं हुई तो एफआईआर कराई जाएगी। इन्हीं बयानों को आधार बनाकर अब मानहानि का नोटिस भेजा गया है।

विधायक ने क्या कहा था

विधायक मसूद ने कहा कि हमारी कई बार मक्का और मदीना की रुबात के मामले में सिकंदर हफीज साहब के घर पर मीटिंग हो चुकी है। जिसमें उन्होने हमसे कमेटी बनाकर जल्द ही रुबात शुरू कराने का यकीन दिलाया था, लेकिन आज तक रुबातों का कोई मसला हल नहीं हो सका और हर साल हाजी रुबात मिलने की उम्मीद में रहते हैं। बावजूद उन्हें रुबात नहीं मिल पाती। जिस वजह से हाजी बहुत ही परेशानी का सामना कर रहे हैं। वक्फ की मंशा के मुताबिक हाजियों को मक्का और मदीना में ठहरने के लिए रुबात बनाई गई थी। ताकि रियासतें भोपाल के हाजी साहेबान को वहां ठहरने में किसी तरह की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संज्ञान के बाद मैं समझता हूं कि वक्फ बोर्ड को तुरंत सबा अली और सिकंदर हफीज पर एफआईआर दर्ज कराएं, क्योंकि सिकंदर हफीज कई बार बातों-बातों में यह बात कह चुके हैं कि मुझे किसी से कोई लेना-देना नहीं है। मैं तो दुबई शिफ्ट हो रहा हूं। वे कभी भी दुबई शिफ्ट हो जाएंगे। मुतवल्लिया सबा अली खान पटौदी और सिकंदर हफीज ने भोपाल के हाजियों के साथ धोखाधड़ी की है। इन पर पुलिस प्रकरण दर्ज कर इनके पासपोर्ट भी जब्त किए जाए।

मसूद बोले- हाजियों के हक के लिए जवाब दूंगा

विवाद पर आरिफ मसूद ने कहा कि वे नोटिस का पूरी तरह जवाब देंगे। उनका कहना है, मैंने गलत क्या किया है? पिछले छह साल से भोपाल के हाजी रुबात में नहीं ठहर पा रहे हैं, जबकि उन्हें मुफ्त ठहरना था और वे पैसा भरने को मजबूर हैं। अगर इस बारे में सवाल उठाना और कार्रवाई की मांग करना गुनाह है, तो मैं हाजियों के लिए एक लाख बार भी सजा भुगतने को तैयार हूं।

थाना निशातपुरा ने 9 साल से फरार स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। शहर में अपराधों की रोकथाम एवं फरार वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया है, जिसके पालन में पुलिस उपायुक्त जोन-04 श्री मयूर खण्डेलवाल , अति. पुलिस उपायुक्त जोन- 04 श्री मलकीत सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त श्री अक्षय चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निशातपुरा मनोज पटवा के नेतृत्व में पुलिस ने मारपीट के मामले में 09 वर्षों से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण :- कैफियत मामला इस प्रकार है कि दिनांक 02.02.2015 को फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी पिंकी पिता गौला उर्फ भोला पारदी के विरुद्ध मारपीट एवं गाली-गलौज करने के संबंध में अपराध क्रमांक 53/2015, धारा 325, 506, 294 IPC के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ प्रकरण क्रमांक RT No. 11746/2015 के रूप में विचाराधीन था। विचारण के दौरान आरोपी लगातार न्यायालय से अनुपस्थित रहा, जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 18.02.2017 को आरोपी के विरुद्ध स्थाई वारंट जारी किया गया था। पिछले 9 वर्षों से आरोपी अपनी पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच रहा था । थाना प्रभारी मनोज पटवा के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र की सटीक सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

आरोपी का विवरण- पिंकी पिता गौला उर्फ भोला पारदी उम्र 23 साल निवासी रिंग गार्डन पारदी डेरा करोंद भोपाल।

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक श्री मनोज पटवा, उनि कमलेश चौहान , प्रआर. चतर सिंह, आर.राजेन्द्र मीणा ,आर. मधुशुदन चौहान.आर. मंदीप जाट , आर. देवराज यादव की सराहनीय भूमिका रही है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वन्य-जीव बाघ की तस्करी करने वाली आरोपी यांगचेन की जमानत याचिका निरस्त

भोपाल, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण के लिये लगातार समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। इसी दिशा में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश एवं वन्य-जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली ने 10 साल से वांछित, अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर यांगचेन लाचुंगपा को 2 दिसम्बर, 2025 को भारत-चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास लाचुंग, मंगन जिला उत्तर सिक्किम से कई महीनों की कड़ी मेहनत के बाद गिरफ्तार किया गया। आरोपी यांगचेन के विरुद्ध जुलाई-2015 में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में बाघ एवं पेंगोलिन के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों व पोंगोलिन के स्केल की नेपाल के रास्ते चीन में अवैध तस्करी करने वाले गिरोह के विरुद्ध 13 जुलाई, 2015 को प्रकरण दर्ज किया गया था। इसमें आरोपी यांगचेन लाचुंगपा वांछित थी। प्रकरण की गंभीरता के कारण वन विभाग ने इसे स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स को विवेचना के लिये सौंप दिया था। एसटीएसएफ ने एक संगठित एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया, जिसमें अभी तक कुल 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों में यांगचेन अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका नेटवर्क भारत, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। आरोपी यांगचेन के गिरोह के कई देशों में फैले नेटवर्क को देखते हुए भारत सरकार के अनुरोध पर इंटरपोल द्वारा आरोपी यांगचेन के विरुद्ध रेड नोटिस भी जारी किया गया है। यांगचेन मूल रूप से चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत की निवासी है और भारत में मुख्यत: दिल्ली एवं सिक्किम राज्यों में रहती है। यांगचेन को सितम्बर-2017 में पकड़ कर ट्रांजिट रिमाण्ड के लिये पेश किया गया था, लेकिन न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने के बाद वह फरार हो गई। इसकी अग्रिम जमानत को मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय जबलपुर ने भी वर्ष 2019 में खारिज कर दिया था। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव (एसटीएसएफ) ने बताया कि प्रकरण में शामिल आरोपी यांगचेन द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में पहली बार जमानत याचिका वर्ष 2026 में दायर की, जिसे उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश द्वारा स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल द्वारा की गई सटीक विवेचना एवं अभियोजन पक्ष द्वारा दी गई दलीलों एवं आरोपी की वन्य-प्राणियों की तस्करी के अंतर्राष्ट्रीय गिरोह से संबद्ध होकर अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील प्रकृति के आधार पर इनकी जमानत निरस्त कर दी गई है। प्रकरण में विवेचना जारी है।

4500 समितियां, लेकिन सिर्फ 3000 खाते ; अपेक्स प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने दिया संख्या बढ़ाने पर जोर

भोपाल, नप्र। प्रदेश की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों ([illegible]) को मजबूत बनाने के लिए अब बचत बैंक खाते खोलने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में साढ़े चार हजार समितियों के मुकाबले केवल तीन हजार में ही बचत खाते संचालित हैं, जो सहकारी ढांचे की कमजोरी को दर्शाता है। अपेक्स बैंक प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों का पैसा समितियों में ही जमा होना चाहिए, तभी ये संस्थाएं आर्थिक रूप से सक्षम बन सकेंगी।

बचत खातों पर विशेष जोर : अपेक्स बैंक के प्रशासक ने मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी समितियों में बचत खाते खोलना सुनिश्चित करें। खासतौर पर ग्वालियर संभाग और रीवा संभाग सहित 16 जिला सहकारी बैंक कमजोर श्रेणी में हैं, जहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

ऋण वितरण और वसूली की स्थिति : खरीफ सीजन में प्रदेश में 19,000 करोड़ रुपये का कृषि ऋण वितरित किया गया, जिसमें से 90 प्रतिशत की वसूली हो चुकी है। अधिकारियों को 30 जून तक शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र किसानों को बिना ब्याज ऋण का लाभ मिल सके।

सदस्यता अभियान को गति : प्रदेश में 10 लाख नए सदस्य बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए समिति प्रबंधकों को सक्रिय भूमिका निभाने और किसानों से निरंतर संपर्क बनाए रखने को कहा गया है। इससे सहकारी संस्थाओं का दायरा बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मध्य प्रदेश में बीयर संकट का फायदा उठा रहे शराब माफिया, 50 से 80 रुपये महंगे दामों पर बेच रहे

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश में बीयर का सीमित स्टॉक है। प्रीमियम ब्रांड की बीयर ही नहीं मिल रही है। इसका लाभ उठाते हुए शराब विक्रेता दुकानों पर 50 से 80 रुपये महंगी बीयर बेच रहे हैं। शराब के प्रीमियम ब्रांड का भी यही हाल है। यह भी एमएसपी और एमआरपी से अधिक दामों पर बेची जा रही है। राजधानी भोपाल में ही शराब ठेकेदारों की मनमर्जी चल रही है। यहां एमपी नगर, आइएसबीटी, पांच नंबर शिवाजी नगर और चूनाभट्टी शराब दुकानों पर अधिक मूल्य में शराब बेची जा रही है।

हालांकि राज्य आबकारी आयुक्त ने दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा करने के निर्देश दिए हैं। पहले भी इस तरह से निर्देश जारी किए गए, लेकिन आबकारी अधिकारी इसका पालन ही नहीं करा पाए। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत का प्रविधान है लेकिन बिना निराकरण के शिकायत बंद कर दी जाती है। मध्य प्रदेश में बीयर के बढ़ते संकट को देखते हुए आबकारी मुख्यालय ने पहले ही अन्य राज्यों में बीयर के निर्यात पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही प्रदेश में नई शराब दुकानों के संचालन के शुरुआती माह में ही सप्लाई और बिलिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रीष्म ऋतु में बीयर सीजन का पीक पीरियड होता है। लेकिन दुकानों पर बीयर और प्रीमियम ब्रांड्स उपलब्ध नहीं है। इधर, सोम डिस्टलरी गड़बड़ी के आरोपों के बाद बंद पड़ी है। प्रदेश में 40 से 50 प्रतिशत बीयर की पूर्ति सोम ही करता है। इससे भी बीयर की सप्लाई प्रभावित हुई है।

भोपाल संभाग के आबकारी सहायक आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ का कहना है कि भोपाल ही नहीं पूरे प्रदेश की ही यही स्थिति है। सारे ब्रांड दुकानों पर नहीं मिलेंगे। इसकी समय पर पर्याप्त पूर्ति की जा सके इसके प्रयास हम लगातार कर रहे हैं। यह बात भी सही है कि सीमित स्टॉक का शराब विक्रेता लाभ उठा रहे है। शिकायतों पर कार्रवाई कर रहे हैं। उड़नदस्ता ने 18 से 20 प्रकरण बनवाएं हैं। 25 अप्रैल से अब तक आठ प्रकरण बनाकर अर्थदंड की लगाया गया है।

एमएसपी से कम और एमआरपी से अधिक दामों पर शराब बेचना नियमानुसार दंडनीय है। हमने निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता की सुविधा के लिए दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा कर शराब का वास्तविक मूल्य प्रदर्शित किया जाए। जहां अधिक मूल्य पर शराब विक्रय की शिकायतें मिल रही है कार्रवाई की जा रही है। -दीपक सक्सेना, आयुक्त, मप्र आबकारी।

भोपाल में छात्रों के लिए निशुल्क ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग शुरू

भोपाल। व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भोपाल के कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय, टी.टी. नगर की छात्राओं के लिए निशुल्क On-the-Job Training (OJT) का शुभारंभ 1 मई से किया गया है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा योजना (समग्र शिक्षा) के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं के [illegible] संकाय की कुल 49 छात्राओं को शामिल किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह प्रशिक्षण माँ हिंगलाज सेवा समिति के सौजन्य से निशुल्क रूप से Hitech Group of Institutions, शिवाजी नगर, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। यहां छात्राओं को वास्तविक कार्य वातावरण में प्रायोगिक ज्ञान एवं तकनीकी कौशल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 1 मई 2026 से 31 मई 2026 तक संचालित होगा, जिसकी न्यूनतम अवधि 20 दिन निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को कंप्यूटर, आईटी सेवाओं तथा अन्य तकनीकी कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष एवं संचालक अनिल मालवीय (9752398636) ने बताया कि इस प्रकार की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग से छात्राओं को वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनके कौशल में वृद्धि होती है और वे भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार होती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए सक्षम बनाना है। वहीं, मनीषा जैसवाल, Vocational Trainer (IT-ITES) (9752407107) ने कहा कि यह प्रशिक्षण छात्राओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे वे अपनी सैद्धांतिक जानकारी को व्यावहारिक रूप में लागू कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपने करियर में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकेंगी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस पहल को विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया गया है। इस प्रशिक्षण से छात्राओं में रोजगारोन्मुखी कौशल का विकास होगा, जिससे वे आने वाले समय में आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

कोलार न्यू अंबेडकर नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

भोपाल। महाबाल नगर(कोलार) के न्यू अंबेडकर नगर स्थित सम्बुद्ध बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के उपासक और उपासिकाओं ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर भगवान बुद्ध के चरणों में वंदना अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

धम्म चर्चा और सामूहिक वंदना : कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक बुद्ध वंदना से हुई, जिसके बाद धम्म विचार-विमर्श का सत्र आयोजित किया गया। वक्ताओं ने तथागत बुद्ध के करुणा, अहिंसा और शांति के संदेशों को आज के समय में प्रासंगिक बताया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने धम्म के सिद्धांतों पर चर्चा की और समाज में एकता बनाए रखने पर जोर दिया।

माताओं की सेवा और स्नेह का संगम : इस आयोजन का मुख्य आकर्षण क्षेत्र की माताओं द्वारा किया गया निस्वार्थ सेवा भाव रहा। माताओं ने बड़े प्रेम और श्रद्धा के साथ विशेष खीर तैयार की, जिसका वितरण कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों के बीच किया गया।

श्रद्धालुओं ने बताया कि खीर का यह प्रसाद न केवल स्वादिष्ट था, बल्कि इसमें माताओं का स्नेह और आशीर्वाद भी महसूस हो रहा था। उनके इस योगदान ने पूरे कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ा दिया और उपस्थित जनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

साधुवाद और आभार : कार्यक्रम के समापन पर विहार प्रबंधन और स्थानीय नागरिकों ने सभी माताओं और सेवादारों का हृदय से आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना था कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि आपसी प्रेम, एकता और संस्कारों की एक सुंदर झलक भी प्रस्तुत करते हैं।

इस अवसर पर पूरा परिसर नमो बुद्धाय' के जयघोष से गुंजायमान रहा और सभी ने एक-दूसरे को मंगलमय पर्व की शुभकामनाएं दीं। सबका मंगल हो!

भोपाल के जाटखेड़ी में मकान तोड़े जाने का विरोध, 20 परिवारों के पुनर्वास की मांग

भोपाल, नप्र। जाटखेड़ी क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का स्थानीय लोगों के साथ ही कांग्रेस ने भी विरोध जताया है। जाटाखेड़ी में 20 से अधिक परिवारों को मकान खाली करने के नोटिस दिए हैं, जिनमें से कुछ मकानों को तोड़ दिया है। प्रभावित परिवारों ने कहा कि उन्हें बिना स्थायी पुनर्वास के बेदखल किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध दर्ज कराया और प्रशासन से पुनर्वास की मांग की।

कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला ने बताया कि यह बस्ती 20 से 30 साल पुरानी है। यहां रह रहे परिवारों को अचानक हटाना उचित नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी पुनर्वास नहीं किया गया, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनुज निकेश चौहान और जिलाध्यक्ष रोहित राजपूत भी मौजूद रहे।

नेताओं की परीक्षा लेगी बीजेपी :जिला प्रशिक्षण वर्गों में नीट-यूपीएससी एग्जाम की तरह मोबाइल होंगे प्रतिबंधित

भोपाल, नप्र। एमपी में एक तरफ बीजेपी सत्ता और संगठन में नियुक्तियों की तैयारी में लगी है। दूसरी तरफ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग देकर पार्टी की रीति-नीति, इतिहास से लेकर वर्तमान के दौर की चुनौतियां, तकनीक में दक्ष बनाने में जुटी है। इस महीने में होने वाले जिला प्रशिक्षण वर्गों में शामिल होने वाले नेताओं को अब परीक्षा भी देनी होगी। नीट-यूपीएससी की तरह मोबाइल रहेगा बैन जिला प्रशिक्षण वर्गों में शामिल होने वाले नेताओं के मोबाइल नीट-यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तरह पहले ही जमा करा लिए जाएंगे। इसके लिए प्रशिक्षण स्थल पर एक मोबाइल काउंटर बना होगा। जहां एक टोकन नंबर देकर मोबाइल जमा करा लिया जाएगा। ट्रेनिंग के बाद होगी परीक्षा प्रशिक्षण वर्ग के बाद नेताओं को पोस्ट टेस्ट देना होगा। यानी प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने क्या सीखा, उनको क्या जानकारी मिली, उन्हें किस सत्र में बताई गई कौन सी बात याद रही। प्रशिक्षण के बाद होने वाली परीक्षा में प्रशिक्षण में बताई गई जानकारी से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे।

अयोध्या नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: TI महेश लिल्हारे ने दबोचा अंतर्राज्यीय ठग, XUV और इनोवा समेत 5 गाड़ियाँ जब्त

किराये का एग्रीमेंट बना हड़प लेते थे वाहन; पुलिस ने 80 लाख की ठगी पकड़ी, फरार साथियों की तलाश में जुटी टीमें

भोपाल । राजधानी की अयोध्या नगर पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय एक ऐसे शातिर जालसाज गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो गाड़ी मालिकों को सरकारी विभाग में वाहन अटैच करने का झांसा देकर उनकी गाड़ियाँ हड़प लेता था। थाना प्रभारी (TI) महेश लिल्हारे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गिरोह के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 लग्जरी गाड़ियाँ बरामद की हैं। जब्त वाहनों में इनोवा, XUV 500 और बोलेरो शामिल हैं, जिनकी बाजार में कीमत लगभग 80 लाख रुपए बताई जा रही है।

?ऐसे बिछाते थे जाल- सरकारी विभाग का झांसा और मोटा किराया

यह गिरोह मुख्य रूप से टीकमगढ़, सागर और दमोह जैसे जिलों के देहात क्षेत्रों को निशाना बनाता था। आरोपी खुद को रसूखदार बताकर गाड़ी मालिकों से संपर्क करते थे और उन्हें झांसा देते थे कि उनकी गाड़ी भोपाल में एयरपोर्ट या किसी सरकारी विभाग में ऊंचे किराये पर लगवा दी जाएगी। भरोसा जीतने के लिए आरोपी बाकायदा अनुबंध (Agreement) करते थे और शुरू में एक-दो महीने का किराया भी देते थे।

मास्टरमाइंड की चालाकी- मजबूरी बताकर दूसरों को बेच देते थे वाहन : जैसे ही गाड़ी मालिक का भरोसा पुख्ता होता, आरोपी गाड़ी को भोपाल ले आते। इसके बाद वे शहर में ऐसे खरीदारों को खोजते जो सस्ते में गाड़ी लेना चाहते हों। खरीदार को अपनी पारिवारिक मजबूरी या पैसे की तत्काल जरूरत बताकर आरोपी बिना कागजात या फर्जी कागजात के आधार पर गाड़ी औने-पौने दाम में बेचकर रफूचक्कर हो जाते थे।

टीकमगढ़ के फरियादी ने खोली गिरोह की पोल: मामले का खुलासा टीकमगढ़ निवासी मनोज मिश्रा की शिकायत पर हुआ। आरोपी आलोक चौबे ने मनोज की XUV 500 (MP36 ष्ट 2572) को 45 हजार रुपए महीने के किराये पर लिया था। एक महीने बाद जब किराया आना बंद हुआ और आरोपी ने फोन उठाना बंद किया, तो मनोज ने भोपाल आकर जांच की। पता चला कि उनकी गाड़ी बेची जा चुकी है।

TI महेश लिल्हारे की टीम ने ऐसे दबोचा : डीसीपी जोन-2 विवेक सिंह और एसीपी मनीष भारद्वाज के मार्गदर्शन में TI महेश लिल्हारे ने मुखबिरों का जाल बिछाया। पुलिस ने 25 वर्षीय आरोपी आलोक चौबे को कोलार रोड स्थित उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आलोक ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी नर्मदा और अरविंद मिश्रा के साथ मिलकर यह गोरखधंधा चला रहा था।

इनकी रही सराहनीय भूमिका : इस बड़ी कामयाबी में थाना प्रभारी महेश लिल्हारे, उनि. सुदील देशमुख, उनि. विजय सिंह कर्चुली, सउनि. मनोज कछवाहा, प्रआर. अमित व्यास, बृजेश सिंह, रूपेश सिंह जादौन, अतुल सिंह, भागवत कुशवाहा, आरक्षक अजय कुमार और प्रदीप दामले की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और उम्मीद है कि अभी कई अन्य वाहन भी बरामद हो सकते हैं।

जब्त वाहनों की सूची

- महिंद्रा XUV 500: MP36 C 2572
- महिंद्रा बोलेरो: MP36 ZJ 3583
- महिंद्रा बोलेरो: MP15 CA 9957
- इनोवा कार: MP15 TA 7855
- इनोवा कार: MP04 TA 4790

छत्तीसगढ़ में डिजिटल जनगणना 2027 का शंखनाद : 51 हजार से अधिक कर्मचारी जुटा रहे जानकारी

रायपुर 4 मई हिन्द मित्र।

छत्तीसगढ़ राज्य में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का फील्ड कार्य आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो गया है। 1 मई से शुरू हुआ यह महाभियान 30 मई 2026 तक चलेगा। इस कार्य के लिए राज्य भर में 51 हजार 300 प्रगणक और 9 हजार पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है, जो घर-घर जाकर डेटा एकत्रित कर रहे हैं।

इस बार की जनगणना ऐतिहासिक है क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है। प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं और परिसंपत्तियों से संबंधित कुल 33 प्रश्नों की जानकारी दर्ज करेंगे।

प्रशासन ने जनगणना कार्य को लेकर सख्त रुख अपनाया है। रायपुर नगर निगम में ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले 44 कर्मचारियों को जनगणना अधिनियम 1948 और छत्तीसगढ़ सिविल आचरण नियमों के तहत नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में बाधा डालना या इससे इनकार करना एक दंडनीय अपराध है।

जनगणना निदेशालय ने आम नागरिकों को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारी जनगणना अधिनियम 1948 के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। यह जानकारी किसी भी टैक्स, पुलिस जांच या कोर्ट केस में साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं की जा सकती। यहाँ तक कि सूचना का अधिकार के माध्यम से भी व्यक्तिगत डेटा प्राप्त नहीं किया जा सकता। इन आंकड़ों का उपयोग केवल राष्ट्र निर्माण और जन कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण हेतु किया जाएगा।

दुर्गम क्षेत्रों में मिसाल-

बस्तर जिले के तोकापाल तहसील अंतर्गत ग्राम गाटम के प्रगणक ने विषम परिस्थितियों के बावजूद पहले ही दिन कार्य पूर्ण कर राज्य स्तर पर उत्साह का संचार किया। अभियान के पहले दिन ही जिला कलेक्टरों और नगर निगम आयुक्तों ने फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

स्व-गणना राज्य में डिजिटल साक्षरता का प्रभाव दिखा, जहाँ 16 से 30 अप्रैल के बीच 1 लाख 49 हजार 862 परिवारों ने वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना की। प्रशासन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि जब भी प्रगणक उनके घर आएं, उन्हें सही और सटीक जानकारी प्रदान करें। आपका यह सहयोग केवल जानकारी मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपका अमूल्य योगदान है।

संक्षिप्त समाचार

लॉस एंजिलिस में कैसे लगी थी आग? सामने आया सच

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका में एक बॉयफ्रेंड की सनक ने एक पूरे इलाके को जलाकर खाक कर दिया, जिसमें 12 लोगों की जान चली गई। लॉस एंजिलिस के जंगलों में लगी भयानक आग के पीछे की जब सच्चाई सामने आई तो लोगों को भरोसा नहीं हुआ। जांच में सामने आया कि इस आग के पीछे एक व्यक्ति की निजी जिंदगी की परेशानी वजह थी। 30 वर्षीय जोनाथन रिंडरनेक्ट पर आरोप है कि न्यू ईयर की शाम डेट न मिलने और ब्रेकअप की झुंझलाहट में उसने लॉस एंजिलिस के पहाड़ी पर आग लगा दी, जिसने बाद में विकराल रूप ले लिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2025 के न्यू ईयर ईव पर जोनाथन (जो उबर ड्राइवर है) काफी निराश था। उसका हाल ही में ब्रेकअप हो गया था और न्यू ईयर पार्टी के लिए साथी नहीं मिल रहा था। दो लोगों से प्लान बनाने की कोशिश नाकाम रहने के बाद वह पैलिसेड्स इलाके में एक यात्री को ड्रॉप करने के बाद पहाड़ी पर गया। वहां उसने ब्रूष्ट बारबेक्यू लाइटर से छोटी आग लगा दी। शुरू में आग बुझ गई, लेकिन छह दिन बाद 7 जनवरी को वह भयंकर रूप से भड़क उठी। इस पैलिसेड्स फायर ने लॉस एंजिलिस के पॉश एक इलाके को तबाह कर दिया। हजारों लग्जरी घर जलकर राख हो गए और कम से कम 12 लोगों की जान चली गई। यह अमेरिका के इतिहास में सबसे महंगे आगजनी वाले वाइल्डफायर मामलों में से एक माना जा रहा है। जोनाथन पर आग लगाने का आरोप है। अगर वह दोषी साबित हुआ तो उसे 45 साल तक की सजा हो सकती है। शुरूआती रिपोर्ट्स में उसने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि वह निर्दोष है। उसके वकील स्टीवन हनी का कहना है, सरकार की थ्योरी गलत है। हमारे मुवक्किल के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। ट्रायल में हम साबित करेंगे। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में बताया कि आरोपी बहुत गुस्सा, निराशा और मायूस था। न्यू ईयर अकेले बिताने की झुंझलाहट ने उसे ऐसा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया, जिसका अंजाम इतना भयानक निकला। ट्रायल 8 जून को शुरू होने वाला है।

आईआरजीसी ने अहम जलमार्ग के लिए की नए नियमों की घोषणा

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने दक्षिणी तट के पास के समुद्री क्षेत्र को लेकर 'नए नियम' घोषित किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान का कहना है कि वह अरब की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण मजबूत करना चाहता है। आईआरजीसी की नौसेना कमान की ओर से बयान जारी किया गया। इस बयान में कहा गया कि वह अरब की खाड़ी और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य के साथ फैली ईरान की लगभग 2,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा पर नियंत्रण रखेगी। बयान में कहा गया कि इन कदमों का मकसद इन जल क्षेत्र को 'ईरान की जनता के लिए गर्व और ताकत का स्रोत, और क्षेत्र के लिए सुरक्षा और समृद्धि का स्रोत' बनाना है। प्रेस टीवी के अनुसार, एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने निर्देश जारी करते हुए कहा था कि फारस की खाड़ी को निशाना बनाने वाली खौफनाक विदेशी ताकतों के लिए इस क्षेत्र में कोई जगह नहीं है, सिवास कि वे इसके पानी की गहराई में हों।

सीरिया में शिया धर्मगुरु की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास शुक्रवार को हमलावरों ने एक शिया धर्मगुरु की हत्या कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में ग्रेनेड फेंका, जिससे उनकी मौत हो गई। मारे गए धर्मगुरु का नाम फरहान अल-मंसूर था। वह दमिश्क के बाहरी इलाके सैयदा जैनब में स्थित एक प्रसिद्ध शिया दरगाह के मुख्य उपदेशक थे। 'साना' और सरकारी टीवी के अनुसार, इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। घटना के बाद दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। सैयदा जैनब इलाका साल 2011 में शुरू हुए सीरियाई संघर्ष के दौरान भीषण झड़पों का केंद्र रहा है। यहां पैगंबर मोहम्मद की पोती की दरगाह है, जिन्हें शिया मुसलमान धैर्य और साहस का प्रतीक मानते हैं। दिसंबर 2024 में बशर असद की सरकार गिरने के बाद से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

कनाडा ने खुफिया रिपोर्ट में माना- खालिस्तानियों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा; भारत पर फिर लगाया आरोप

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में माना गया है कि खालिस्तानी तत्वों से कनाडा को खतरा पैदा हो रहा है।

सीएसआईएस की 2025 की रिपोर्ट कनाडा की संसद में पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियां लगातार एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा देती हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन, रूस और भारत ने जासूसी के जरिये कनाडा की अंदरूनी राजनीति में दखल दिया है। ये अकेले देश नहीं हैं जो ऐसा करने की कोशिश करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल एअर इंडिया की उड़ान 182 में बम विस्फोट की 40वीं बरसी थी, जिसके संदिग्ध कनाडा आधारित खालिस्तानी चरमपंथी समूहों के सदस्य थे। यह कनाडा के इतिहास का अब तक का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है। इसमें 329 लोगों

की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर कनाडाई नागरिक थे। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में कनाडा में खालिस्तानी समूहों से जुड़ा कोई हमला नहीं हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे चरमपंथी समूहों की गतिविधियां कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों के लिए लगातार खतरा बनी हुई हैं। इनमें से कुछ लोग कनाडाई नागरिकों से जुड़े हैं और कनाडा की संस्थाओं का उपयोग करके अपने हिंसक एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। समुदाय के लोगों से पैसे इकट्ठा करते हैं, जिन्हें बाद में हिंसक गतिविधियों में लगाया जाता है।

इसमें आगे कहा गया है कि दुनिया में बदलते हालात के बीच चीन, रूस, भारत, ईरान, पाकिस्तान और कुछ अन्य देश कनाडा की राजनीति में दखल देने की कोशिश करते रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि भारत ने कनाडाई नेताओं, पत्रकारों और भारतीय मूल के समुदाय के लोगों से संबंध बनाए हैं, जिससे कनाडा में 'ट्रांसनेशनल रेप्रेशन' यानी सीमा पार दमन की स्थिति बनी है। इसमें निगरानी और दबाव जैसी गतिविधियां शामिल बताई गई हैं। जिनका उद्देश्य भारत सरकार की आलोचना को दबाना और समुदाय में डर पैदा करना है। साथ ही यह भी कहा गया है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी के कारण इस तरह की गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी माना गया है कि भारत अपनी अंदरूनी स्थिरता के लिए खतरों का सामना करता है, जिसमें खालिस्तान अलगाववाद भी शामिल है।

जर्मनी से 5000 सैनिक हटा रहा अमेरिका?: नाटो देशों में बढ़ी चिंता, ट्रंप ने यूरोप को दे दिए बड़े संकेत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने जर्मनी से करीब 5,000 सैनिक हटाने का बड़ा फैसला लिया है। यह कदम अगले 6 से 12 महीनों में पूरा किया जाएगा। पेंटागन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह फैसला यूरोप में सैन्य जरूरतों और हालात की समीक्षा के बाद लिया गया है। हालांकि इस फैसले के पीछे केवल सैन्य रणनीति ही नहीं, बल्कि राजनीति और अंतरराष्ट्रीय तनाव भी बड़ा कारण माने जा रहे हैं। खासकर इस्राइल और ईरान युद्ध के बीच अमेरिका और जर्मनी के रिश्तों में आई खटास ने इस फैसले को और अहम बना दिया है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने कहा कि यूरोप में अपनी सैन्य स्थिति की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिका की ईरान नीति की आलोचना की थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले भी जर्मनी से सैनिक हटाने की धमकी दे चुके हैं। ट्रंप का मानना है कि नाटो देश अमेरिका का पूरा साथ नहीं दे रहे हैं। इस्राइल-ईरान युद्ध के बाद अमेरिका अपनी रणनीति बदल रहा है। कितनी बड़ी है जर्मनी में अमेरिकी सेना की मौजूदगी? जर्मनी में अभी करीब 36,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इनमें से लगभग 14 प्रतिशत सैनिक अब हटाए जाएंगे। जर्मनी में अमेरिका के बड़े सैन्य ठिकाने हैं जैसे रामस्टीन एयर बेस। यूरोप और अफ्रीका कमांड का मुख्यालय भी जर्मनी में ही है। जर्मनी में अमेरिका का सबसे बड़ा विदेशी अस्पताल भी मौजूद है। माना जा रहा है कि यह कदम अमेरिका की वैश्विक ताकत दिखाने की रणनीति का हिस्सा है। इससे यूरोप को अपनी सुरक्षा खुद संभालने का संकेत मिल रहा है। नाटो देशों में पहले से ही इस फैसले को लेकर चिंता थी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में सुरक्षा का मुद्दा और गंभीर हो गया है। अमेरिका धीरे-धीरे अपनी जिम्मेदारी कम करने की दिशा में बढ़ रहा है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म हो चुका है, 60 दिन की समयसीमा पूरी होने पर ट्रंप ने संसद को दी जानकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद को बताया है कि ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध खत्म हो गया है। ट्रंप ने ईरान युद्ध की 60 दिन की कानूनी समयसीमा खत्म होने के बाद सांसदों को यह जानकारी दी। पॉलिटिको के अनुसार, ट्रंप ने सांसदों को लिखे एक पत्र में कहा, '7 अप्रैल 2026 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है।' उन्होंने आगे कहा, '28 फरवरी 2026 को शुरू हुई शत्रुता अब समाप्त हो चुकी है।' रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम ईरान युद्ध को जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत के विवाद को शांत करने की कोशिश माना जा रहा है। अमेरिका में 1973 में पारित 'वार पावर्स रिजोल्यूशन' के तहत राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई की सूचना कांग्रेस को देने के बाद 60 दिनों के भीतर उसे समाप्त करना होता है, जब तक कि कांग्रेस आगे की कार्रवाई को मंजूरी न दे। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। ट्रंप प्रशासन ने 2 मार्च को औपचारिक रूप से कांग्रेस को इसकी जानकारी दी थी, जिसके बाद 60 दिन की समयसीमा 1 मई को समाप्त हो गई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भले ही 1 मई को सांसदों को दी जानकारी में ईरान युद्ध समाप्त होने की बात कही है, लेकिन अभी भी इसे लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि वह ईरान के मौजूदा प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हैं, हालांकि कूटनीति और सैन्य कार्रवाई दोनों विकल्प खुले हैं। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मैं उससे संतुष्ट नहीं हूं, इसलिए देखना होगा कि आगे क्या होता है।'

उन्होंने ईरान के नेतृत्व को बिखरा हुआ बताया और कहा कि इसी वजह से सहमति नहीं बन पा रही है। ट्रंप ने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन वे पूरी तरह उलझे हुए हैं'। ट्रंप ने दावा किया कि ईरानी नेतृत्व काफी असंगठित है और अंदरूनी मतभेदों से घिरा हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, आंतरिक मतभेदों के कारण तेहरान की बातचीत की स्थिति कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा कि नेता आपस में सहमत नहीं हैं और यह तक साफ नहीं है कि नेतृत्व कौन कर रहा है, जिससे वार्ता जटिल हो रही है।

कड़ी बयानबाजी के बावजूद ट्रंप ने कहा कि वह कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, 'क्या हम जाकर पूरी तरह हमला कर दें और इसे हमेशा के लिए खत्म कर दें, या फिर समझौते की कोशिश करें? मैं मानवीय आधार पर पहले विकल्प के पक्ष में नहीं हूं।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि बातचीत विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई एक विकल्प बनी रहेगी।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने किंग चार्ल्स के स्वागत के दौरान की अशिष्टता, हो रही आलोचना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर और भारतवंशी जोहरान ममदानी को किंग चार्ल्स तृतीय का स्वागत करने के दौरान अशिष्ट व्यवहार करने व कोहिनूर हीरा लौटाने का आग्रह करते समय उपनिवेशवाद के मुद्दे को त्यागने में विफल रहने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मैनहट्टन में 9/11 स्मारक पर बुधवार को महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला से मिलने से कुछ घंटे पहले ममदानी ने कहा था कि वह ब्रिटिश सम्राट से कोहिनूर हीरा (भारत को) लौटाने के लिए कहेंगे। किंग चार्ल्स न्यूयॉर्क में 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' स्मारक पर न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल और न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल सहित कई अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों के साथ पुष्पांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 11 सितंबर के भयावह आतंकवादी हमलों में मारे गए 3,000 से अधिक न्यूयॉर्कवासियों को श्रद्धांजलि देना रहा। 'द न्यूयॉर्क पोस्ट' के संपादकीय बोर्ड ने ममदानी द्वारा महाराजा चार्ल्स के अशिष्ट स्वागत की निंदा की। इसमें कहा गया कि ममदानी इंग्लैंड के महाराजा का ठीक से स्वागत नहीं कर सके। इसके लिए परिपक्वता, शालीनता और विनम्रता की जरूरत होती, जो हमारे मेयर में बिल्कुल नहीं दिखाई दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के संपादकीय में कहा गया कि बुधवार को चार्ल्स तृतीय ने न्यूयॉर्क का दौरा किया, तो उनका स्वागत करने के लिए ममदानी ने बहुत कम प्रयास किए। इसमें कहा गया कि मेयर 9/11 स्मारक पर सम्राट के साथ केवल एक संक्षिप्त बैठक के लिए देर से सहमत हुए, जबकि शाही परिवार ने शहर में कई स्थलों का दौरा किया। पूर्व में भी न्यूयॉर्क के मेयरों ने ब्रिटिश शाही परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था लेकिन ममदानी ने ऐसा कुछ नहीं किया। ब्रिटिश सम्राट अब अमेरिकी दौरा पूरा करके अपने देश (ब्रिटेन) के लिए लौट चुके हैं। उनके सम्मान में राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई कमी नहीं छोड़ी।

टिम कुक बोले- भारत एपल के लिए महत्वपूर्ण बाजार, यह कंपनी के लिए बड़ा मौका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। स्मार्टफोन कंपनी एपल की भारत में व्यापक वृद्धि दर्ज हुई है। इसे लेकर एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए इसे एक बड़ा मौका बताया है। तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी की 2026 की दूसरी तिमाही की आय घोषणा के दौरान कुक ने कहा, जी हां। हम काफी समय से इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत निश्चित ही दुनिया का दूसरा बड़ा स्मार्टफोन बाजार और तीसरा सबसे बड़ा महत्वपूर्ण पीसी बाजार है। कुक की ये टिप्पणियां भारतीय बाजार और इसमें मौजूद समग्र अवसरों के बारे में उनके दृष्टिकोण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में आई। उन्होंने स्वीकारा कि भारत में काफी समय से बेहद अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद कंपनी की हिस्सेदारी अभी भी मामूली है। टिम ने भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग और उसकी अपार संभावनाओं पर भी चर्चा की और कहा, चूंकि हमारे सभी उत्पादों के अधिकांश ग्राहक ब्रांड के लिए नए हैं, इसलिए यह हमारे विकास के लिए एक आदर्श वातावरण है। वह बोले, कुल मिलाकर, मैं भारत को लेकर बेहद उत्साहित हूं। एजेंसी एपल की तिमाही आय में 17% की वृद्धि दर्ज की गई और यह 111.2 अरब डॉलर तक पहुंच गई। कुक ने कहा, कंपनी ने विकसित और उभरते दोनों बाजारों में नए रिकॉर्ड बनाए, जिसमें भारत ने दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की। वह बोले, एपल भारत में अपना छठा स्टोर खोलने के लिए भी बेहद उत्साहित है। फरवरी में बोरीवली में खोला गया यह स्टोर मुंबई में दूसरा स्टोर है। एपल के स्टोर नई दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और नोएडा में पहले से ही मौजूद हैं। एपल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) केवन पारेख ने बताया कि मैकबुक नियो जैसे नए उत्पादों की मांग काफी बढ़ी है। कंपनी के मैक और आईपैड दोनों की बिक्री में भारत सहित उभरते बाजारों में मजबूत वृद्धि देखी गई। इस बीच, एपल ने हाल ही में घोषणा की है कि टिम कुक सीईओ पद से हटकर निदेशक मंडल के ईडी बनेंगे।

बांझ पुरुषों के लिए नई उम्मीद, एआई तकनीक ने खोजे छिपे शुक्राणु

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्टार प्रणाली का कमाल

वाशिंगटन, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक नई तकनीक ने उन पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण जगा दी है जिन्हें बांझ घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्पर्म ट्रैक एंड रिकवरी (स्टार)प्रणाली ऐसे मामलों में भी शुक्राणु खोज पा रही है, जहां पारंपरिक जांच में एक भी शुक्राणु नहीं मिलता। इस तकनीक की मदद से कई दंपतियों को वर्षों बाद माता-पिता बनने का सुख मिला है। बीबीसी के अनुसार अमेरिका के न्यू जर्सी की एक महिला, जिन्हें रिपोर्ट में पेनेलोप नाम से संबोधित किया गया है, नवंबर 2025 में तब भावुक हो गईं जब डॉक्टर ने उन्हें गर्भवती होने की खबर दी। करीब ढाई साल की असफल कोशिशों के बाद यह संभव हो सका। रिपोर्ट के अनुसार उनके पति को क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम नाम की आनुवंशिक बीमारी थी, जिसमें पुरुषों में अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम होता है और आमतौर पर शुक्राणु बनना बेहद कम या शून्य होता है। डॉक्टरों ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनके पति के जैविक पिता बनने की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। लेकिन स्टार तकनीक ने उनके नमूने में छिपे कुछ शुक्राणु खोज निकाले, जिनकी मदद से इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) यानी शरीर के बाहर निषेचन की प्रक्रिया सफल हुई। स्टार प्रणाली एआई और मशीन लर्निंग का

उपयोग करके बेहद दुर्लभ शुक्राणुओं को पहचानती है।

माइक्रोफ्लूडिक चिप का होता है उपयोग: सामान्यतः एक मिलीलीटर वीर्य में लाखों शुक्राणु होते हैं, लेकिन एजूस्पर्मिया नामक स्थिति में एक भी शुक्राणु मिलना मुश्किल होता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष के वीर्य में शुक्राणु नहीं के बराबर होते हैं। इस तकनीक में माइक्रोफ्लूडिक चिप का उपयोग होता है। यह एक बेहद पतली नलिकाओं वाला उपकरण होता है, जिसमें से नमूना गुजरता है। इसके साथ हाई-स्पीड इमेजिंग सिस्टम प्रति सेकंड सैकड़ों तस्वीरें लेता है और एआई एल्गोरिदम उनमें से शुक्राणु की पहचान करता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर के निदेशक जेव विलियम्स के अनुसार, यह ऐसे है जैसे मलबे के समुद्र में एक बेहद दुर्लभ कण को ढूंढना। एआई यह काम कुछ मिलीसेकंड में कर देता है, जबकि इंसान के लिए यह लगभग असंभव होता है।

30 फीसदी मामलों में मिली है सफलता: रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से पिछले साल पहला बच्चा जन्मा, जो लगभग दो दशक से बांझपन से जूझ रहे एक दंपति के लिए बड़ी सफलता थी। अब तक 175 मरीजों पर किए गए परीक्षणों में करीब 30 प्रतिशत मामलों में शुक्राणु खोजने में सफलता मिली है। इतना ही नहीं, यह तकनीक पारंपरिक मानव जांच की तुलना में 40 गुना अधिक शुक्राणु खोजने में सक्षम रही है। आईवीएफ प्रक्रिया में हार्मोन की सही मात्रा तय करने, अंडाणु और भ्रूण की गुणवत्ता का आकलन करने में भी मशीन लर्निंग का उपयोग बढ़ रहा है। इससे उपचार को अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी बनाने में मदद मिल रही है।

संपादकीय

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह स्थिति दर्शाती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है।

बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं। एग्जिट पोल्स ने इस बार अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तस्वीरें पेश की है। कहीं स्पष्ट बहुमत, तो कहीं कांटे की टक्कर दिखाकर लोगों का ध्यान भी खूब खींचा है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के दावे 200 के पार से अलग पश्चिम बंगाल में मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, जहां 'साइलेंट वोटर' निर्णायक भूमिका में होने का दावा भी किया जा रहा है। यह अनिश्चितता लोकतंत्र की खूबसूरती भी है और चुनौती भी। नतीजे प्रभावित न हों और हेर-फेर से मतदाताओं के मतों को बचाने मानों एक अलग ही संघर्ष जारी है। इसी प्रकार तमिलनाडु में संभावित राजनीतिक बदलाव का दावा किया जा रहा है। यह एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच नए चेहरे का उभार यह दर्शाता है कि मतदाता अब विकल्प तलाशने के लिए तैयार हैं, जो गलत भी साबित हो सकता है। वहीं असम में सत्तारूढ़ दल की संभावित लगातार तीसरी जीत यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती अभी भी निर्णायक कारक हैं। इसकी भी परीक्षा होगी और परिणाम बताएंगे कि कौन पास और कौन फेल रहा। केरल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौटने की संभावना और वामपंथी राजनीति के कमजोर पड़ने के संकेत एग्जिट पॉल्स से मिलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक राज्य का परिणाम नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीतिक दिशा पर भी असर डालेगा। दूसरी ओर, पुडुचेरी में गठबंधन की वापसी का दावा किया जा रहा है। इन तमाम परिदृश्यों के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि क्या चुनावी प्रक्रिया जनता के विश्वास पर खरी उतर रही है? चुनाव आयोग की भूमिका, न्यायपालिका का हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों का आचरण तीनों मिलकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत या कमजोर करते हैं। जब चुनाव परिणाम आने से पहले ही विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी लड़ाइयां शुरू हो जाती हैं, तो यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यहां समझना होगा कि चुनाव केवल सरकार बनाने या गिराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह जनता की आवाज़ का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इस प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होना ही होना है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष चाहे वे राजनीतिक दल हों, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी को समझें और पारदर्शिता तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कुल मिलाकर सेवा का भाव जो सभी स्तर पर देखने को मिलना चाहिए वह कहीं गुम हो चुका है। इसलिए ये चुनाव एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बन गए हैं, जो होना नहीं चाहिए।

छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

विशेष लेख, रायपुर 4 मई हिन्द मित्र।

छत्तीसगढ़ के वनांचल की गोद में छिपी अमूल्य औषधि संपदा अब केवल स्वास्थ्य का आधार नहीं, बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की जिस परिकल्पना को साकार कर रही है, उसे वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम के मार्गदर्शन में धरातल पर उतार रहा है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

वनांचल में बिखरे पारंपरिक ज्ञान को महज एक स्मृति न रहने देने के संकल्प के साथ बोर्ड ने इसे वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत उन स्थानीय वैद्यों और जानकारों का चिन्हांकन शुरू किया गया है, जिनके पास असाध्य रोगों के उपचार का अद्भुत ज्ञान है। बोर्ड का प्रयास इन महिलाओं को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी विशेषज्ञता का लाभ समाज को मिले और वे स्वयं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सकें। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस विरासत का सम्मान है जिसे ग्रामीण महिलाओं ने सदियों से सहेजकर रखा है। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक जड़ी-बूटी और जनजातीय ज्ञान को अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से नई पहचान मिल रही है। राज्य के वनों में छिपे औषधीय खजाने को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित कर, उसे आजीविका के साधन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव तब दिखाई दे रहा है, जब जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाली महिलाएं अब संग्राहक से आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आ रही हैं। बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, महिला स्व-सहायता समूहों को औषधि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के उन्नत गुर सिखाए जा रहे हैं।

यह पहल न केवल औषधीय पौधों का संरक्षण कर रही है, बल्कि वनवासियों और लघु वन उपज संग्राहकों की आय में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक सक्रिय वैद्यों के ज्ञान को सहेजने और जड़ी-बूटियों के विपणन के लिए छत्तीसगढ़ जनजातीय स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं और औषधीय पादप बोर्ड सक्रिय रूप से काम कर रहा है। यह संस्था हर्बल उत्पादों की खेती, मूल्य संवर्धन, और मार्केटिंग में तकनीकी सहायता और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

छत्तीसगढ़ में जड़ी-बूटी मूल्य संवर्धन एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से राज्य के समृद्ध वन संसाधनों को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित (प्रोसेस) करके उनके आर्थिक मूल्य को बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड के तहत इन उत्पादों को बढ़ावा दे रही है।

जब ये महिलाएं वनों से प्राप्त कच्ची सामग्री को साफ कर, सुखाकर उसे चूर्ण, अर्क या तेल के रूप में परिवर्तित करती हैं, तो उत्पाद की कीमत और गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है।

इस मूल्य संवर्धन का सीधा आर्थिक लाभ उनके बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे बिचौलियों का वर्चस्व पूरी तरह समाप्त हो गया है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। 65 से अधिक लघु वन उपज प्रजातियों की

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी और उनका प्रसंस्करण किया जा रहा है। यह पहल छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख हर्बल स्टेट के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो परंपरा और आधुनिक तकनीक का संगम है।

छत्तीसगढ़, जिसे 'जड़ीबूटि गढ़' भी कहा जाता है, अपने घने जंगलों, विशेषकर बस्तर में 160 से अधिक प्रकार की दुर्लभ जड़ी-बूटियों का प्राकृतिक खजाना है। यहाँ की मिट्टी में अश्वगंधा, सर्पगंधा, गोखुरा (गोखरू), कुटकी और तिखुर जैसी औषधियां पाई जाती हैं, जो स्वास्थ्य और जीवन शक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं। बाजार की चुनौतियों को अवसर में बदलते हुए बोर्ड ने विपणन (मार्केटिंग) तंत्र को पारदर्शी बनाया है।

प्रदेश के छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड को सशक्त करने के लिए प्रदर्शनियों और रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से इन उत्पादों को सीधे शहरी उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'व्होकल फार लोकल' और मुख्यमंत्री के 'लखपति दीदी' अभियान को सफल बनाने में यह रणनीति संजीवनी का कार्य कर रही है।

जड़ी बूटियों को किचिन गार्डन, होम गार्डन में खिड़की, बालकनी, टेरिस पर गमलों, या अन्य कंटेनरों में कभी भी उगाया जा सकता है। कंटेनर गार्डनिंग या ग्रो बैग में जड़ी-बूटियां उगाने का एक फायदा यह भी है कि जड़ी-बूटी को उसकी जरूरत के आधार पर मिट्टी, पोषक तत्व, सूर्य प्रकाश और नमी के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है तथा गमलों में उगाई गई प्रत्येक जड़ी-बूटी (हर्बल) को उसकी आदर्श स्थितियां दे सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण और आजीविका के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से औषधीय पौधों की 'मदर नर्सरी' विकसित करने की जिम्मेदारी महिला समूहों को सौंपी जा रही है। इससे दुर्लभ जड़ी-बूटियों की प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए बारहमासी रोजगार के द्वार खुल गए हैं, जिससे वनांचल से होने वाले पलायन पर भी अंकुश लगा है।

राज्य शासन का यह समेकित दृष्टिकोण इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड केवल एक प्रशासक की नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। सामूहिक नेतृत्व और संस्थागत सुधारों पर जोर देने से आज छत्तीसगढ़ की बेटियां आत्मनिर्भर बन रही हैं। वनांचल की महिलाओं के चेहरे पर उपजी मुस्कान एक समृद्ध और स्वावलंबी छत्तीसगढ़ की सच्ची तस्वीर पेश कर रही है।

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक / अशोक कुमार चंद्रवंशी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

पारिस्थितिकी बहाली का छत्तीसगढ़ मॉडल 'बारनवापारा में काले हिरणों की वापसी'

विशेष लेख

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक / अशोक कुमार चन्द्रवंशी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

रायपुर 4 मई हिन्द मित्र।

'मन की बात' से राष्ट्रीय क्षितिज तक का सफर– प्रायः सभी प्रकृति प्रेमियों का मानना है कि प्रकृति कभी भी अपना ऋण नहीं भूलती। यदि मनुष्य पूरी ईमानदारी से उसके संरक्षण की ओर एक कदम बढ़ाता है, तो प्रकृति उसे अपनी भव्यता से कई गुना वापस लौटाती है। छत्तीसगढ़ की पावन धरा, जो सदियों से अपनी नैसर्गिक संपदा और सघन वन क्षेत्रों के लिए विख्यात रही है, आज वन्यजीव संरक्षण के एक नए स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य (लगभग 245 वर्ग किमी) में काले हिरणों का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार हुआ है, जहाँ इनकी संख्या अब 200 के करीब पहुँच गई है। 1970 के दशक में विलुप्त हो चुके इन हिरणों को 2018 की पुनरुद्धार योजना और 2026 तक के वैज्ञानिक प्रयासों से वापस लाया गया।

हाल ही में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में जब बारनवापारा अभ्यारण्य के काले हिरणों की सफल वापसी का उल्लेख किया, तो यह केवल एक राज्य की उपलब्धि नहीं रही, बल्कि भारत के पर्यावरण मानचित्र पर वन्यजीव संरक्षण का एक नया अध्याय बन गई।

विजन भरा नेतृत्व और प्रतिबद्धता-इस गौरवमयी उपलब्धि के सूत्रधार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हैं। उन्होंने इस सफलता को राज्य की समृद्ध जैव विविधता और पर्यावरण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिफल बताया है।

मुख्यमंत्री साय का मानना है कि प्रधानमंत्री की सराहना केवल एक प्रशंसा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के वन विभाग और वहां के स्थानीय समुदायों के कठिन परिश्रम पर लगी राष्ट्रीय मुहर है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच उस दुर्लभ संतुलन को साध रहा है, जिसकी आज पूरे विश्व को आवश्यकता है।

विलुप्ति से पुनर्वास तक-बारनवापारा अभ्यारण्य में काले हिरणों का दिखाई देना एक समय दुर्लभ हो गया था। लेकिन वन मंत्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के रणनीतिक निर्देशन ने इस असंभव लक्ष्य को वास्तविकता में बदल दिया।

फरवरी 2026 का महीना छत्तीसगढ़ के वन इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ, जब विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में 30 काले हिरणों को उनके प्राकृतिक आवास में 'सॉफ्ट रिलीज' पद्धति से मुक्त किया गया।

यह प्रक्रिया केवल उन्हें जंगल में छोड़ने तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि वे नए वातावरण में बिना किसी तनाव के रच-बस सकें। ब्लैकबक कंजर्वेशन सेंटर में बेहतर पोषण और वैज्ञानिक देखभाल से इनकी संख्या में वृद्धि हुई। इस महाअभियान के पीछे उन जांबाज अधिकारियों और मैदानी अमले की मेहनत है, जिन्होंने दिन-रात एक कर दिया।

मुख्य वन संरक्षक (रायपुर) श्रीमती सतोविशा समाजदार और वनमंडलाधिकारी (बलौदाबाजार) धम्मशील गणवीर के नेतृत्व में फील्ड स्टाफ, जीव वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सकों की एक समर्पित टीम ने एक ढाल की तरह काम किया। वर्तमान में इन हिरणों की सुरक्षा के लिए हाई-टेक निगरानी प्रणाली, जीपीएस ट्रैकिंग और नियमित पेट्रोलिंग का उपयोग किया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ वन विभाग की तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। एक सुरक्षित भविष्य का पालना बारनवापारा अभ्यारण्य का यह मॉडल आज देश के अन्य राज्यों के लिए एक 'केस स्टडी' बन सकता है। यहाँ केवल काले हिरण की प्रजाति का पुनर्वास नहीं हुआ, बल्कि उनके लिए एक संपूर्ण आवास तंत्र विकसित किया गया।

रामपुर ग्रासलैंड का वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक जल स्रोतों का जीर्णोद्धार और घास की स्थानीय प्रजातियों का संवर्धन वे मुख्य कारक हैं, जिन्होंने काले हिरणों को वहां फलने-फूलने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी ने मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की एक अनूठी मिसाल पेश की है।

काला हिरण भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला एक संकटग्रस्त मृग है। नर काले हिरण का रंग गहरा भूरा से काला होता है, उसके लंबे सर्पिलाकार सींग होते हैं और शरीर का निचला भाग सफेद होता है। मादा काले हिरण हल्के भूरे रंग की होती हैं और सामान्यतः उनके सींग नहीं होते। यह प्रजाति खुले घास के मैदानों में पाई जाती है और दिन के समय सक्रिय रहती है।

इसका मुख्य आहार घास और छोटे पौधे होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 74 से 84 सेंटीमीटर होती है। नर का वजन 20 से 57 किलोग्राम के बीच और मादाओं का 20 से 33 किलोग्राम तक होता है। नर काले हिरण की सर्पिलाकार सींगें, जो लगभग 75 सेंटीमीटर तक लंबी हो सकती हैं, इन्हें आसानी से पहचानने योग्य बनाती हैं।

भविष्य की राह और राष्ट्रीय संदेश-बारनवापारा अभ्यारण्य में गूंजती काले हिरणों की चहल-कदमी और उनकी कुलाचें इस बात का जीवंत साक्ष्य हैं कि यदि इंसान प्रकृति के प्रति अपनी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी समझ ले, तो खोई हुई धरोहर को फिर से लौटाया जा सकता है।

यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक 'लिविंग लैबोरेटरी' (जीवंत प्रयोगशाला) के रूप में कार्य करेगी, जहाँ वे प्रकृति के साथ तालमेल बिठाना सीख सकेंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' ने हमारे नवाचारों को एक वैश्विक मंच प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ सरकार पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जोड़कर एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रही है, जहाँ मनुष्य और वन्यजीव दोनों सुरक्षित हों।

आज जब हम बारनवापारा अभ्यारण्य की खुली वादियों में कुलाचें भरते काले हिरणों को देखते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि प्रकृति स्वयं मुस्कुराते हुए छत्तीसगढ़ के इस सराहनीय प्रयास को अपना आशीर्वाद दे रही है। यह छत्तीसगढ़ के गौरव का वह उत्कर्ष है, जिसकी चमक अब पूरे देश को प्रेरित कर रही है।

घोर लापरवाही: जीवन की कीमत पर पर्यटन

मनोज कुमार अग्रवाल

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जन भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रेल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है.जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है. लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं. उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं. आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं.

आपको बता दें जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं. डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे. बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे. अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई.शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था. इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा. ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया. जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया. पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं. किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई. इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है. ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे. सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए. उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे. चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई.

जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं. पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े. हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे. आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला. मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो. यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं. जबलपुर के सिविल लाइन इलाके के रहने वाले सैयद रियाज हुसैन की पत्नी, नाती और समधन लापता हैं. वह परिवार के साथ क्रूज की सवारी का आनंद लेने गए थे. वो कहां जानते थे कि डैम में मौत दस्तक दे रही है. सैयद तो बच गए, लेकिन उनके परिजन अभी भी लापता हैं. वह बेबस और लाचार हैं और किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं.

एक छोटी सी बच्ची मां-पिता और भाई के साथ कुछ देर पहले जो हंसी के ठहाके लगा रही थी उसकी आंखों में सिबाय दर्द के कुछ दिखाई नहीं दे रहा. बच्ची बुरी तरह डरी, सहमी और घबराई हुई है. पापा तो मिल गए लेकिन मम्मी, भाई और नाना का कुछ अता-पता नहीं है. वहीं नानी की डूबने से मौत हो गई है. पल भर में उसकी खुशियां मातम में बदल गईं. जबलपुर क्रूज हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया. घटना की जानकारी मिलते ही बरगी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया है. टीम लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटी और पानी के भीतर सर्च ऑपरेशन चलाया गया

सवाल यह है कि यह हादसा अनगिनत लापरवाही और अव्यवस्था का ईशारा करता है जब मौसम विभाग की पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी तूफान आने की चेतावनी जारी थी तब क्रूज का नदी में संचालन क्यों किया गया? जानकारी के अनुसार क्रूज का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग करता है बताया गया है कि इस बीस साल पुरानी क्रूज में वैध तौर पर तीस पर्यटक लिस्टेड थे लेकिन कुछ लोग स्टाफ की कृपा पर भी सवार थे जो लिस्टेड नही थे। बचाव दल 28 लोगों को बचाने का दावा कर रहा है जबकि नौ शव निकाले जा चुके हैं इस तरह 37 सवारियों की पुष्टि हो जाती है। इसके अलावा नियमानुसार सबको लाइफ जेकेट पहनना अनिवार्य था लेकिन तूफान आने पर अफरा-तफरी मचने पर लाइफ जेकेट दी गयी उन्हें पाने के लिए सभी सवार पर्यटकों के क्रूज पर एक तरफ आने से संतुलन बिगड़ गया और क्रूज एक ओर झुकते ही नदी में समा गया।

जाहिर है कि यह क्रूज नियमों की घोर अनदेखी कर मनमानी ढंग से बिना अनुभवी व अल्पप्रशिक्षित परिचालन टीम के भरोसे नर्मदा की छाती पर संचालित किए जा रहे थे। इस सबके लिए खुद सरकार अपनी जिम्मेदारी से नही बच सकती है सरकार चाहे उत्तराखंड की हो यूपी की या मध्यप्रदेश की सब जगह ग्रीष्म शीत अवकाश अथवा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दरकिनार किया गया है सरकार का रवैया सिर्फ पर्यटकों को प्रचार के बूते पर आकर्षित कर राजस्व और स्थानीय रोजगार बढाने का है लेकिन श्रद्धालुओं पर्यटकों के जीवन की सुरक्षा कौन करेगा?

मोनोकनी-बिकिनी पहन इतराई कियारा

बॉलीवुड की हसीना कियारा आडवाणी इन दिनों अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा और बेटी सरायाह के साथ वेकेशन पर हैं। पूरा परिवार मालदीव के बीच पर चिल कर रहा है। कियारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो फुल हॉलीडे वाइब दे रही हैं। एक्ट्रेस की फोटोज में उनकी मॉम-लाइफ की भी झलक दिख रही हैं। कियारा मालदीव वेकेशन पर ऑरेंज बिकिनी पहनकर समुद्र में स्विमिंग करती भी नजर आईं। इसमें उनका बेफिक्र और बोल्ड अंदाज देखने मिला। फोटो में कियारा अपनी बेटी सरायाह को फोटोबुक के जरिए समुद्री मछलियों के बारे में बता और समझाती दिखाई दे रही हैं। उनकी बेटी के नन्हे हाथ भी किताब पर दिखे हैं। वेकेशन पर कियारा ने टेनिस के भी मजे लूटे। पति सिद्धार्थ के साथ उन्होंने टेनिस में हाथ आजमाया, जिसे वो काफी एंजॉय करती नजर आईं। गेम के साथ-साथ कपल ने डांस फ्लोर पर भी आग लगाई। कियारा ने अपनी पोस्ट में अपनी अलमीराह की झलक भी दिखाई, जिसमें उनके साथ-साथ बेटी सरायाह के कपड़े भी लगे थे। इनके अलावा, एक्ट्रेस ने अपने अलग-अलग लुक्स भी शेयर किए हैं।वेकेशन पर कियारा अपनी मॉम-ड्यूटी से पीछे नहीं हटी। उन्होंने अपनी बेटी का ख्याल रखने के साथ-साथ मालदीव के मजे लूटे। पोस्ट पार्टम के बाद, ये पहली बार है जब कियारा बिकिनी लुक में नजर आईं। इनके अलावा एक्ट्रेस मोनोकनी पहनकर अपनी बॉडी फ्लॉन्ट करती दिखीं। उनके दिलकश अंदाज पर फैंस फिदा दिखे।

रश्मिका की नई दोस्त बनेगी विजय देवरकोंडा की अगली हीरोइन?

न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि साउथ की भी कई बड़ी फिल्मों पर इस वक्त काम चल रहा है। कुछ इस साल रिलीज होंगी, तो कुछ के लिए अगले साल तक का इंतजार करना होगा। पर आज बात नए-नए कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की करें, दोनों साथ में भी काम कर रहे हैं। शादी के बाद ही उनकी अगली फिल्म का ऐलान हुआ था, जो Ranabaali है।

साथ ही विजय देवरकोंडा VDxShouryuv पर भी काम कर रहे हैं। जिसका ऐलान कुछ दिनों पहले ही हुआ था। हाथों में चार ब्लैक कुत्तों को पकड़कर एकदम स्वैग से चलते हुए दिख रहे थे। अब कहा जा रहा है कि इस फिल्म के लिए उन्हें एक्ट्रेस मिल गई है। यह एक्ट्रेस कोई और नहीं है, बल्कि रश्मिका मंदाना की ही दोस्त हैं। जिनके साथ वो अभी काम भी कर रही हैं।विजय देवरकोंडा की पिछली फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई 'किंगडम' थी। इस एक्शन थ्रिलर पिक्चर को गौतम तिन्ननुरी ने डायरेक्ट किया था। जिसमें विजय देवरकोंडा ने एक पुलिस वाले का किरदार निभाया था, जो बाद में जासूस बन जाता है। इस पिक्चर में सत्यादेव और भाग्यश्री बोरसे ने भी काम किया था। साथ ही एक्टर की अगली फिल्म पर अब अपडेट आ गया है, जानिए किस एक्ट्रेस की यहां बात हो रही है।विजय देवरकोंडा एक बड़े बजट वाली पैन-इंडिया एंटरटेनर फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी। जिससे पता लगा कि इस पिक्चर में कृति सेनन भी काम करने वाले हैं। कृति से विजय के आने वाले प्रोजेक्ट में फीमेल लीड का रोल निभाने के लिए कॉन्टैक्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट को 'Hi Nanna'फेम के शौर्युव डायरेक्ट करेंगे। हाल ही में पिक्चर का एक धांसू पोस्टर के साथ ऐलान भी किया गया था। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट को बड़े लेवल पर बनाया जा रहा है।

दुनिया के सबसे बड़े फैशन इवेंट मेट गाला में जाएंगे करण जौहर

दुनिया के सबसे बड़े फैशन इवेंट की अगर बात होती है, तो उसमें मेट गाला का नाम काफी ऊपर माना जाता है। हॉलीवुड और बॉलीवुड के कई बड़े सितारे अनोखे डिजाइनर के कपड़े पहनकर, रेड कार्पेट पर चलते हैं। इसका हिस्सा हर कोई बनना चाहता है। पिछले साल बॉलीवुड से दिलजीत दोसांझ और शाहरुख खान ने अपना मेट गाला डेब्यू किया था। इस बार फिल्ममेकर करण जौहर की बारी है। करण जौहर को लेकर पिछले काफी दिनों से अफवाहें थीं कि वो मेट गाला इवेंट में जाएंगे, लेकिन कुछ भी पक्का नहीं माना जा रहा था। हालांकि अब करण के खास दोस्त और सेलेब्रिटी फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने खुद सामने से इस न्यूज को कंफर्म किया है।मनीष मल्होत्रा ने एक अमेरिकन न्यूज चैनल पर आकर बताया कि करण इस साल अपना मेट गाला डेब्यू करने वाले हैं। उन्होंने फिल्ममेकर के लिए एक खास तरह का आउटफिट डिजाइन किया है, जो कई लोगों के लिए एक बहुत बड़ा सरप्राइज होने वाला है।मनीष का कहना है कि इवेंट वाले दिन सभी लोग करण को देखकर हैरान होने वाले हैं। मनीष ने कहा- इस बार मैं एक बहुत बड़े डायरेक्टर के लिए कपड़े डिजाइन करने वाला हूं, जो अपनी फिल्में और फैशन के लिए जाने जाते हैं- करण जौहर। मैंने काफी कुछ नया करने की सोची है, पिछली बार हमने रिहाना के लिए कपड़े डिजाइन किए थे। इस बार रेड कार्पेट पर काफी कुछ अलग दिखेगा, लेकिन उसके लिए आपको थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि करण जौहर के साथ आदर पूनावाला की पत्नी नताशा पूनावाला भी रेड कार्पेट पर दिखेंगी। नताशा कई बार मेट गाला के रेड कार्पेट पर आ चुकी हैं। हालांकि इस बार इंडियन्स की नजरें करण जौहर पर होंगी, जो पहली बार ऐसे किसी बड़े फैशन इवेंट में पहुंचेंगे। करण वैसे भी अपने अनोखे फैशन सेंस के लिए जाने जाते हैं, देखना दिलचस्प होगा कि मेट गाला पर क्या वो अपना जलवा बिखेर पाएंगे या नहीं। मेट गाला 2026 का इवेंट 4 मई को न्यू यॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होना है।

अजय देवगन ने रितेश देशमुख की मेहनत को किया सलाम

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन ने रितेश देशमुख को फिल्म राजा शिवाजी के लिये उनकी कड़ी मेहनत को सलाम किया है। जियो स्टूडियोज़ और मुंबई फिल्म कंपनी की फिल्म राजा शिवाजी अब सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है और आते ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। फिल्म के साथ एक खास वीडियो की झलक भी सामने आई है, जिसमें अजय देवगन और रितेश देशमुख की दिलचस्प बातचीत देखने को मिलती है। इस बातचीत में अजय देवगन बताते हैं कि आजकल लोग सुपरहीरो फिल्मों जैसे एवेंजर्स, सुपरमैन और स्पाइडरमैन को बहुत पसंद करते हैं। लेकिन वो यह भी याद दिलाते हैं कि हमारे अपने इतिहास में ऐसे असली हीरो रहे हैं, जिन्होंने देश के लिए सच में बड़ी कुर्बानियां दी हैं। वहीं रितेश देशमुख, जो इस फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं, कहते हैं कि वो उन्हें बचपन से ही अपना "पहला सुपरहीरो" मानते आए हैं। इसी लगाव और प्रेरणा ने उन्हें राजा शिवाजी बनाने के लिए प्रेरित किया। वीडियो में अजय देवगन, जिन्होंने तानाजी में वीर योद्धा का किरदार निभाया था, रितेश की इस फिल्म के लिए उनकी मेहनत और जुनून की भी जमकर तारीफ करते हैं। उनका कहना है कि इस किरदार को रितेश जितनी सच्चाई और दिल से शायद ही कोई और निभा पाता। फिल्म राजा शिवाजी हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज़ हुई है और यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके गौरवशाली इतिहास को श्रद्धांजलि देती है।

फिल्म हेरा फेरी के राइट्स को लेकर फ्रॉड का केस

फिल्म प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म हेरा फेरी के कॉपीराइट और रीमेक राइट्स को लेकर मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाडियाडवाला ने शिकायत में कहा कि विवाद साल 1989 की मलयालम फिल्म रामजी राव स्पीकिंग से जुड़ा है, जिस पर हेरा फेरी आधारित थी। उन्होंने दावा किया कि साल 2000 में उन्होंने सुरेश कुमार सिंघल से 4.5 लाख रुपए में कुछ रीमेक राइट्स कानूनी रूप से खरीदे थे।

शिकायत में कहा गया कि फिल्म रिलीज से सात दिन पहले कुछ लोगों ने दबाव बनाकर उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश की। नाडियाडवाला के अनुसार, उन्हें भारी इन्वेस्टमेंट और संभावित नुकसान के डर से पेमेंट करना पड़ा, जबकि कोर्ट ने उनके पक्ष में स्टे ऑर्डर दिया था। नाडियाडवाला ने यह भी आरोप लगाया कि 2022 में ओरिजिनल फिल्म से जुड़े पक्षों ने पहले से बिके राइट्स को दोबारा बेच दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गोपाला पिल्लई विजयकुमार और एम पॉल माइकल के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके अलावा, दिसंबर 2024 में उन्हें एक लीगल नोटिस मिला, जिसमें फिर हेरा फेरी को गैर-कानूनी बताया गया और 60 लाख रुपए के साथ फिल्म के मुनाफे में 25% हिस्सेदारी की मांग की गई।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है।

अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं। अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं।

पेड्डी रिलीज डेट इवेंट में बढ़ाई एक्साइटमेंट

ग्लोबल स्टार राम चरण की आने वाली फिल्म पेड्डी के रिलीज डेट इवेंट में निर्देशक सुकुमार ने पहुंचकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी।

फिल्म पेड्डी चार जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है। बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच मेकर्स ने एक ग्रैंड इवेंट में रिलीज डेट का ऐलान कर हलचल मचा दी। फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज होगी और इसे साल की सबसे बड़ी फिल्म बताया जा रहा है, जो आईपीएल सीजन खत्म होते ही एंटरटेनमेंट का बड़ा धमाका करने वाली है। पेड्डी की रिलीज डेट अनाउंसमेंट इवेंट सच में एक मेगा इवेंट था, जहां जबरदस्त दीवानगी देखने को मिली। इवेंट में डायरेक्टर बुची बाबू सना ने कहा, "पेड्डी को अपने दिल से निकालना इतना आसान नहीं है।" वहीं पुष्पा के डायरेक्टर सुकुमार भी इवेंट में पहुंचे और उन्होंने कहा, "राम चरण की ऐसी परफॉर्मेंस आपने पहले कभी नहीं देखी होगी।" प्रोड्यूसर वेंकट सतीश किलारू ने कहा,"पेड्डी एक इमोशनल राइड है!" और डीओपी आर. रत्नावेलु ने कहा, "हमने कमर्शियल तरीके से कुछ अलग करने की कोशिश की है और ये बहुत बड़ा काम करेगा।"

बुची बाबू सना द्वारा लिखी और निर्देशित पेड्डी में राम चरण टाइटल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ फिल्म में शिवा राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को वेंकट सतीश किलारू ने अपने बैनर वृद्धि सिनेमाज के तहत प्रोड्यूस किया है, साथ ही मशहूर प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स भी इससे जुड़े हैं।

दीपिका बेबी बंप छिपाकर शाहरुख संग कर रहीं किंग की शूटिंग

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान पिछले कुछ दिनों से अपनी अपकमिंग फिल्म किंग की शूटिंग में बिजी हैं। वो अपनी हीरोइन दीपिका पादुकोण के साथ साउथ अफ्रीका के शहर केप टाउन में हैं। बीते दिनों किंग के सेट से शाहरुख-दीपिका की कई सारी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। अब सेट से नई फोटोज सामने आई हैं, जिसमें दोनों एक्टर्स के लुक के साथ-साथ दीपिका का बेबी बंप भी नजर आया है।

दीपिका पादुकोण दूसरी बार मां बनने वाली हैं। ऐसे में वो आराम के बदले अपनी बची हुई फिल्मों की शूटिंग निपटा रही हैं। केप टाउन वी एंड ए वॉटरफॉल के पास किंग की शूटिंग चल रही थी। वहां एक यूजर ने दीपिका और उनकी टीम का वीडियो शूट करके सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो में एक्ट्रेस का बेबी बंप भी नजर आया, जिसे देख फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं था। दीपिका ने ओवरसाइज शर्ट के साथ चेक का कॉम्बिनेशन कैरी किया हुआ था। दीपिका के अलावा शाहरुख के भी लुक वायरल किए जा रहे हैं। एक वीडियो में वो अपनी मैनेजर पूजा और बॉडीगार्ड के साथ चलते नजर आ रहे हैं। वीडियो बनाने वाले ने किंग खान को उनके स्टाइलिश लुक में कैप्चर करना चाहा, मगर बॉडीगार्ड ने तभी उनका प्लान खराब कर दिया। आगे शाहरुख-दीपिका किसी दुकान के अंदर भी स्पॉट हुए। इस दौरान एक्टर ब्लैक आउटफिट, तो दीपिका रेड ओवरसाइज टॉप में नजर आईं। पिछले कुछ वक्त से किंग के सेट से काफी फोटो-वीडियो वायरल हो गए हैं। ऐसे में अब फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद को एक पोस्ट शेयर करके शाहरुख के फैंस से रिक्वेस्ट करनी पड़ी है कि कोई भी ऐसी फोटोज पोस्ट ना करें। वो सरप्राइज को फिल्म के लिए बरकरार रखें। हालांकि क्या सुपरस्टार के फैंस डायरेक्टर की इस रिक्वेस्ट को मानेंगे, ये देखने वाली बात होगी।

परिणय सूत्र में बंधी अभिनेत्री शालू सिंह

जब कला और व्यापार की दुनियां एक साथ आती है, तो वह पल अपने आप में ऐतिहासिक हो जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा महाराष्ट्र की उप-राजधानी नागपुर में देखने को मिला, जहां मनोरंजन जगत की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री शालू सिंह और देश के सफल युवा बिजनेसमैन सुष्मित राजपूत एक-दूसरे के साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। नागपुर के एक आलीशान वेडिंग वेन्यू में आयोजित यह शादी पूरी तरह से पारंपरिक रस्मों के साथ संपन्न हुई। उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस शादी की सबसे बड़ी खासियत इसका अरेंज मैरिज होना, जिससे आज के दौर में पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों की एक नई मिसाल पेश की गई है। गौरतलब है कि विवाह की तस्वीरों में इस जोड़े का शाही अंदाज देखते ही बन रहा है। शालू सिंह ने अपनी शादी के लिए पारंपरिक सुर्ख लाल रंग का भारी कढ़ाई वाला लहंगा चुना। माथा-पट्टी, नथ और गले में भारी कुंदन ज्वेलरी के साथ शालू किसी राजकुमारी की तरह नजर आ रही थीं।

वहीं सुष्मित राजपूत ने क्रीम और लाल रंग के मेल वाली शाही शेरवानी पहनी थी। उनके हाथों में पकड़ी कृपाण (तलवार) और सिर पर सजी कलगी वाली पगड़ी उनके राजसी लुक को पूरा कर रही थी। तस्वीरों में दोनों के बीच की बॉन्डिंग और एक-दूसरे के प्रति सम्मान साफ झलक रहा है। परिणय सूत्र में बंधकर विवाह करने की खुशी को शालू सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिछले दिनों पोस्ट किया और अपने हसबैंड सुष्मित राजपूत को टैग भी किया है।

घर की नींव में क्यों रखते हैं चांदी के नाग-नागिन और कलश?

घर को बनवाते समय कई नियमों का पालन करना बेहद आवश्यक है। ऐसा माना जाता है कि घर की नींव रखते समय वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करना बेहद फलदायी होता है। घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन और कलश रखा जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि ऐसा क्यों किया जाता है और इसके पीछे का रहस्य क्या है? श्रीमद् भागवत महापुराण के पांचवें स्कंद में उल्लेख है कि धरती के नीचे पाताल लोक है और इसके स्वामी शेषनाग हैं। इसलिए घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन को रखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि शेष नाग इससे संपत्ति और घर की सदैव रक्षा करते हैं।

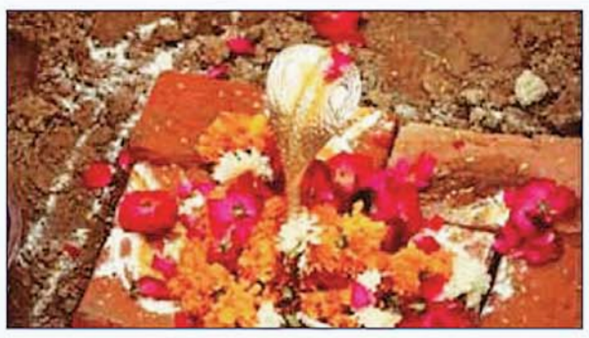

मिलते हैं ये फायदे

- घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन को रखने से महादेव की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नाग-नागिन के जोड़े से वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है।
- घर की नींव में नाग-नागिन के जोड़े को रखने से घर पर बुरी शक्तियों को कोई असर नहीं होता है। साथ ही नजर दोष से बचाव होता है।
- इसके अलावा घर में सदैव सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।
- अगर आप चांदी के नाग-नागिन नहीं रख सकते हैं, तो पीतल के नाग-नागिन भी रख सकते हैं।

नींव में इसलिए रखा जाता है कलश

- मान्यता है कि कलश में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। घर की नींव रखने के दौरान कलश भी रखा जाता है। इसमें सिक्का, फूल और दूध डाला जाता है, जो नाग देवता को प्रिय है।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शेषनाग क्षीरसागर में रहते हैं। इसी वजह से नींव पूजा के दौरान कलश में दूध, घी और दही समेत आदि चीजों का अर्पित कर शेषनाग को बुलाया जाता है, जिससे वे घर की रक्षा कर सके।

हिंदू धर्म में नारद जयंती का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में नारद जयंती का विशेष महत्व माना जाता है। नारद जयंती ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाई जाती है। यह दिन देवर्षि नारद के जन्म से जुड़ा है, जिन्हें ज्ञान, भक्ति और देवताओं के संदेशवाहक के रूप में जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु और नारद जी की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मनोकामनाएं पूरी होने का आशीष मिलता है। इस दिन पूजा पाठ, दान पुण्य और विष्णु आराधना का विशेष महत्व माना गया है। जानिए साल 2026 में यह पर्व कब मनाया जाएगा और इसका महत्व क्या है।

कब है नारद जयंती 2026

पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि 2 मई 2026 को रात 12 बजकर 51 मिनट से शुरू होगी और 3 मई को रात 3 बजकर 2 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर 3 मई को नारद जयंती मनाना शुभ और शास्त्रसम्मत माना गया है। इस दिन शुभ मुहूर्त में पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

नारद जयंती पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूजा स्थान की सफाई कर गंगाजल का छिड़काव करें। सबसे पहले भगवान विष्णु की पूजा करें और उन्हें फूल, चंदन और फल अर्पित करें। धूप दीप जलाकर आरती करें और पंचामृत में तुलसी डालकर भोग लगाएं। इसके बाद नारद जी की विधि-विधान से पूजा करें। मान्यता है कि इस दिन बांसुरी अर्पित करना भी शुभ होता है।

क्या है नारद जयंती का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नारद जी ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हैं और उन्हें सृष्टि का पहला पत्रकार भी कहा जाता है। वे तीनों लोकों में भ्रमण कर देवताओं और मनुष्यों के बीच संदेश पहुंचाते थे। नारद जी भगवान विष्णु के परम भक्त माने जाते हैं और वे निरंतर नारायण-नारायण का जाप करते रहते हैं। मान्यता है कि नारद जी भक्तों की प्रार्थनाएं भगवान तक पहुंचाते हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से ज्ञान, बुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना करने से जीवन में सुख समृद्धि और शांति बनी रहती है। यह दिन भक्ति और सेवा का संदेश भी देता है।

रोजाना के रूटीन में योगासन को शामिल करना जरूरी

रोजाना के रूटीन में योगासन को शामिल करना जरूरी है। ये शरीर को फ्लैक्सिबल बनाते हैं और कई समस्याओं से निपटने में मदद करते हैं। चतुरंग दंडासन सूर्य नमस्कार के दौरान किए जाने वाले आसनों में से एक है। इसे करने पर आप कई समस्याओं से निपट सकते हैं। जानिए इस आसने के कुछ फायदे और इसे करने का तरीका।

कैसे करें चतुरंग दंडासन

चतुरंग दंडासन करने के लिए अपने दोनों पैरों को पीछे की ओर और हाथों को आगे की ओर रखते हुए बैठें। फिर समान रूप से सांस लेते रहें और अपनी दोनों एड़ियों को फैलाएं ताकि आप अपनी जांघों पर दबाव महसूस करें। अब अपने हाथों को आगे की ओर रखते हुए फर्श पर रखें और अपने सिर को फैलाकर रखें। अपने कंधों को नीचे और कानों से दूर रखें।

क्या है इस आसन करने के फायदे

चतुरंग दंडासन रीढ़ की हड्डी की सहनशक्ति और स्थिरता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, यह कोर मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाते हैं और पीठ दर्द के खतरे को कम कर सकते हैं। चतुरंग दंडासन पीठ दर्द के दर्द को कम कर सकता है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये आसन तनाव के स्तर को कम करके दिल पर तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। ये आसन दिल की सेफ्टी करने में मदद कर सकता है।

सुख-समृद्धि के लिए रोजाना करें ये काम

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी की उपासना धन की देवी के रूप में की जाती है। ऐसे में यदि आप लक्ष्मी जी की कृपा के लिए रोजाना कुछ कार्य करते हैं, तो इससे आपके लिए धन आगमन के रास्ते खुलने लगते हैं। तो चलिए जानते हैं कि किन कार्यों को रोजाना करने से लक्ष्मी जी की कृपा की प्राप्ति हो सकती है।

मिलेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसा माना जाता है कि जो साधक नियमित रूप से पूजा-पाठ करता है, उसके घर में हमेशा सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। साथ ही शुक्रवार का दिन धन की देवी लक्ष्मी के लिए समर्पित माना गया है, तो ऐसे में इस दिन पर मां लक्ष्मी की पूजा करें और कनकधारा, श्रीयुक्त या लक्ष्मी सूक्त आदि का पाठ करें। ऐसे करने से घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती।

रसोई घर में रखें इस बात का ध्यान

इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि स्नान के बाद ही रसोई में प्रवेश करें। इसके बाद रसोई की साफ-सफाई करें। इसके बाद रोटी बनाते समय पहली रोटी गाय को दें और आखिर की रोटी कुत्ते को खिलाएं। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

दहलीज पर करें ये काम

सुबह जल्दी उठकर घर के बाहर एक लोटा जल लेकर थोड़ा पानी छिड़कें और दहलीज की अच्छे से साफ करें। साथ ही घर के बाहर दीवार पर स्वस्तिक बनाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी का आगमन होता है और घर की आर्थिक स्थिति ठीक बनी रहती है।

गर्मियों में चाहिए ग्लोइंग और पिंपल फ्री स्किन

धार्मिक और सेहत की नजर से तो तुलसी का महत्व है ही, लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्किन केयर में इसका इस्तेमाल भी आपको शानदार फायदे दे सकता है। गर्मियों में आप भी पिंपल्स, सन-टैन या ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या से परेशान रहते होंगे। ऐसे में आइए आज आपको बताते हैं इन तमाम दिक्कतों से छुटकारा पाने के लिए तुलसी के इस्तेमाल का तरीका।

रेडनेस और इरिटेशन से मिलेगी राहत

प्यूरिफाइंग गुणों से भरपूर तुलसी आपके स्किन पोर्स को डीप क्लीन करने का हुनर रखती है। इसके लिए आप थोड़े पानी में इसकी कुछ पत्तियां डालकर उसे उबाल लें और रोजाना फेस वॉश के बाद इसे टोनर के रूप में यूज करें। इससे न सिर्फ रेडनेस दूर होगी, बल्कि इरीटेशन से भी राहत मिलेगी।

मिलेगी पिंपल फ्री स्किन

पिंपल फ्री स्किन और वो भी गर्मियों में? जी हां, यह मुमकिन है और इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को पीसकर इसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर अप्लाई कर लेना है। इससे कील-मुंहासों से तो छुटकारा मिलेगा ही, साथ ही गर्मियों में ऑयली स्किन से भी छुटकारा मिलेगा।

नहीं रहेंगे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स को दूर करने के लिए तुलसी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद है। इसके लिए आपको इसे नीम के कुछ पत्तों और शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाना है और 10 मिनट बाद धो लेना है। बता दें, गर्मियों में कई लोगों को त्वचा पर एक्स्ट्रा ऑयल की समस्या होती है, ऐसे में तुलसी के पत्ते इसे दूर करने में काफी माहिर हैं।

दाग-धब्बों से छुटकारा

कील-मुहांसे तो फिर भी चले जाते हैं, लेकिन इनके बाद रह जाने वाले दाग-धब्बे अक्सर लोगों के लिए सिरदर्द बन जाते हैं। ऐसे में, अगर आप भी कई सारे प्रोडक्ट्स यूज करके थक चुके हैं, तो इस बार तुलसी का इस्तेमाल करके देख सकते हैं। इसके लिए आपको एक मिक्सर में तुलसी के पत्ते, संतरे के छिलके और गुलाब जल मिलाकर इसके पेस्ट को चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगा लेना है। बस धीरे-धीरे ये एक्ने मार्क्स कम होने लगेंगे।

गैजेट्स साफ करने के तरीके

घर के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, जैसे टीवी, लैपटॉप, मोबाइल फोन और माइक्रोवेव, समय के साथ गंदे हो जाते हैं। अगर इन्हें सही तरीके से साफ न किया जाए, तो ये पुराने और बेकार दिखने लगते हैं। यहां कुछ आसान तरीके बताए गए हैं जिनसे आप अपने गैजेट्स को साफ रख सकते हैं और वे हमेशा नए जैसे दिखेंगे।

सॉफ्ट कपड़ा इस्तेमाल करें

गैजेट्स को साफ करने के लिए सॉफ्ट और माइक्रोफाइबर कपड़ा इस्तेमाल करें। यह कपड़ा स्क्रीन और सतह पर खरोंच नहीं आने देता। आप इसे हल्का गीला करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे धूल और गंदगी आसानी से साफ हो जाती है। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत गीला न हो, ताकि गैजेट्स में पानी न जाए। इस तरह आपके गैजेट्स हमेशा नए जैसे दिखेंगे।

हल्का गीला कपड़ा

थोड़ा सा पानी लें और कपड़े को हल्का गीला करें। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत ज्यादा गीला न हो ताकि पानी गैजेट्स के अंदर न जाए। हल्का गीला कपड़ा धूल और गंदगी साफ करने में मदद करता है और आपके गैजेट्स को सुरक्षित रखता है। इस तरह से गैजेट्स साफ और सुरक्षित रहेंगे, और वे हमेशा नए जैसे दिखेंगे।

सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें

कीबोर्ड, स्पीकर और अन्य छोटे हिस्सों की सफाई के लिए सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें। सॉफ्ट ब्रश से धूल और गंदगी आसानी से निकल जाती है। यह छोटे-छोटे कोनों और दरारों में भी सफाई कर सकता है, जहां कपड़ा नहीं पहुंच पाता। इससे आपके गैजेट्स साफ और नए जैसे दिखेंगे। रोजाना सफाई से गैजेट्स की उम्र भी बढ़ती है।

रात में नींद न आने के रिस्क

रात में अगर नींद नहीं आ रही है तो इसे हल्के में बिल्कुल भी न लें। क्योंकि, इसका सीधा कनेक्शन दिल की सेहत है। शोध के अनुसार, स्लीप साइकिल अच्छी न होने वाले लोग इंसोम्निया से पीड़ित होते हैं। उनमें हार्ट डिजीज का खतरा ज्यादा देखने को मिलता है। आजकल नींद की बीमारी से ज्यादातर लोग परेशान हैं। सही तरह न सोने की वजह से कई बीमारियां शरीर को घेर लेती हैं। जानिए नींद की समस्या और हार्ट हेल्थ का क्या कनेक्शन है और नींद न पूरी होने से कौन-कौन सी समस्याएं हो रही हैं।

- **ब्लड प्रेशर हाई होना**
अगर कोई 8 घंटे की नींद नहीं पूरी कर रहा है तो उससे शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है। इससे हार्ट पर दबाव बढ़ता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो दिल की बीमारी है। इसकी वजह से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- **शरीर में सूजन की समस्या**
पूरी नींद न होने की वजह से शरीर में सूजन और तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन बढ़ने लगता है। इस सूजन से आर्टरी को नुकसान हो सकता है। इससे हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ता है। इसलिए सावधान रहना चाहिए।
- **धड़कन की गति में अनियमितता**
नींद पूरी न होने से दिल की धड़कन में अनियमितता होने का खतरा रहता है, जिसे एरिद्मिया कहते है, जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क बढ़ा सकता है। इसलिए रात में ज्यादा जागना नहीं चाहिए और नींद पूरी करनी चाहिए।
- **मोटापे का खतरा**
रात में ज्यादा देर तक जागने वालों में ज्यादा खाने की आदत होती है। खराब नींद की वजह से भूख बढ़ सकती है, क्योंकि इससे भूख बढ़ाने वाला हार्मोन बढ़ जाता है। इससे मोटापे का रिस्क रहता है, जो हार्ट डिजीज का प्रमुख कारण है।
- **सीवीडी**
नींद की समस्या से परेशान लोगों में दिल की बीमारियों का रिस्क बढ़ता है, जिसके स्ट्रोक और हार्ट की बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। अच्छे दिल की सेहत के उचित नींद लेना चाहिए, इसलिए नींद की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए।

"झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई" वीरता और त्याग की प्रतीक

मुंबई में राजश्री परिवार की गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठ साहित्यकार एवं रॉयल्टी प्राप्त कवि रामकेश एम. यादव 'सरस' की सत्ताईसवीं कृति "झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई" (काव्य) का भव्य लोकार्पण सम्पन्न हुआ। कृति का विमोचन देवांश बड़जात्या द्वारा किया गया, जो प्रसिद्ध फिल्मकार सूरज बड़जात्या के सुपुत्र हैं।

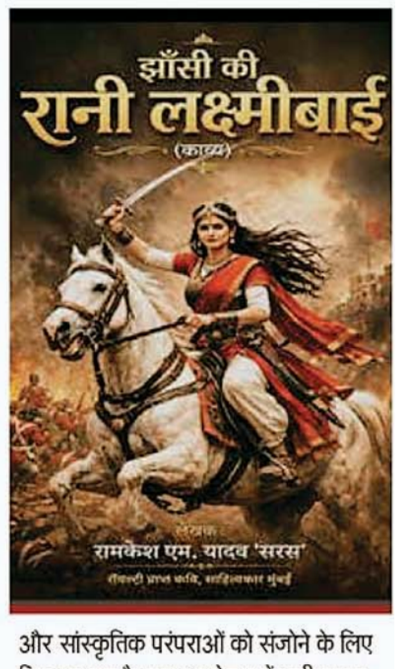

कार्यक्रम का आयोजन राजश्री प्रोडक्शन्स के कार्यालय में किया गया, जहाँ राजश्री प्रोडक्शन्स के मैनेजर श्री पी. के. गुप्ता की उपस्थिति में साहित्यप्रेमियों एवं अतिथियों ने कृति की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे वीरता, त्याग और देशभक्ति से ओतप्रोत एक प्रेरणादायक रचना बताया। इस अवसर पर इस काव्य के लेखक रामकेश एम. यादव 'सरस' ने कहा कि उनकी यह काव्य कृति वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को समर्पित एक विनम्र श्रद्धांजलि है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और त्याग की भावना जागृत करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह उनकी सत्ताईसवीं (27वीं) पुस्तक है, जो उनके साहित्यिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

काव्य का प्रकाशन "मुस्कान एक एहसास" के संपादक एवं प्रकाशक लालबहादुर यादव 'लल्लन' द्वारा किया गया। राजश्री प्रोडक्शन्स, जिसकी स्थापना स्वर्गीय ताराचंद बड़जात्या ने की थी, भारतीय सिनेमा में पारिवारिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने के लिए विख्यात रहा है। इस आयोजन में उसी समृद्ध विरासत, सादगी और सांस्कृतिक गरिमा की प्रेरक झलक देखने को मिली। साहित्यप्रेमियों, पत्रकारों तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

लैंक्सेस ने भारत में नए लुब्रिकेंट एडिटिव्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया

मुंबई, एजेंसी। स्पेशलिटी केमिकल्स बनाने वाली कंपनी लैंक्सेस ने गुजरात के झगड़िया स्थित अपने केमिकल मैन्युफैक्चरिंग साइट पर एक नए ब्लेंडिंग प्लांट का उद्घाटन किया है। इस प्लांट के पहले चरण में विशेष प्रकार के लुब्रिकेंट एडिटिव्स का निर्माण किया जाएगा। इस नए प्लांट भारत के साथ-साथ मिडिल ईस्ट और अन्य वैश्विक बाजारों के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करेगा। इस सुविधा को सुरक्षा, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। लैंक्सेस एजी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य डॉ. ह्यूबर्ट फिंक ने कहा, लैंक्सेस भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने तथा यहां निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है और अपनी दीर्घकालिक रणनीति को देश की गतिशील संभावनाओं के अनुरूप ढाल रहा है। संतुलित निवेश और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमारा लक्ष्य भारत के विकसित होते औद्योगिक परिदृश्य में सार्थक योगदान देना है। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और ग्लोबल हेड, लुब्रिकेंट एडिटिव्स बिज़नेस, नीलांजन बनर्जी ने कहा, इस प्लांट के जरिए हम क्षेत्र में अपने ग्राहकों के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ कर रहे हैं। यह सुविधा हमें लोकल-फॉर-लोकल दृष्टिकोण के साथ भारत, मिडिल ईस्ट और अन्य बाजारों में ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले, नवाचारी लुब्रिकेंट एडिटिव समाधान भरोसेमंद तरीके से उपलब्ध कराने में सक्षम बनाती है। कंपनी ने इस मौके पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी साइन किया, जिसके तहत उन्नत तकनीकों को भारतीय बाजार में लाया जाएगा।

जिंदल स्टील का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 1,041 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदल स्टील का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 1,041

करोड़ रुपए रहा। मुख्य रूप से रिकॉर्ड बिक्री के कारण कंपनी को लाभ हुआ है। स्टील बनाने वाली इस कंपनी को पिछले साल की इसी तिमाही में 304 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। एक बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में, कंपनी की कुल आय 25 प्रतिशत बढ़कर 16,484.28 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले 2024-25 की चौथी तिमाही में यह 13,254.94 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्तवर्ष 2025-26 में, शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 3,361 करोड़ रुपए रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,846 करोड़ रुपए था।

एक महीने से डिमांड में है ओला इलेक्ट्रिक का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते एक महीने से ओला इलेक्ट्रिक के शेयर डिमांड में हैं। यह शेयर सोमवार को भी सुर्खियों में रहने वाला है। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि ओला ने अप्रैल की बिक्री के आंकड़ों में महीने-दर-महीने 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। आइए डिटेल में जान लेते हैं कि कंपनी के शेयर की वर्तमान कीमत क्या है और परफॉर्मेंस कैसा रहा है। ओला इलेक्ट्रिक शेयर की बात करें तो बीते गुरुवार को 36.31 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले इंट्रा-डे में 36.92 रुपये तक पहुंच गया। सितंबर 2025 में शेयर 71.24 रुपये पर था और मार्च 2026 में शेयर 21.21 रुपये के निचले स्तर पर रहा। शेयर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बाद एक महीने में 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुका है। अब सोमवार को इस शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। बता दें कि शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस की वजह से शेयर बाजार में ट्रेडिंग नहीं हुई। वहीं, शनिवार और रविवार साप्ताहिक अवकाश का दिन होता है। ओला इलेक्ट्रिक ने शुक्रवार को अप्रैल 2026 में महीने-दर-महीने मजबूत ग्रोथ की घोषणा की। डेटा के अनुसार, रजिस्ट्रेशन मार्च के 10,133 यूनिट्स से बढ़कर 12,166 यूनिट्स हो गए।

मार्च 2024 के आवेदन को खारिज करने की मांग

टाटा संस की लिस्टिंग का बढ़ा दबाव, प्रॉक्सी एडवाइजरी ने आरबीआई से की स्पष्ट निर्देश जारी करन की अपील

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रॉक्सी एडवाइजरी इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से आग्रह किया है कि वह टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी करे। बता दें कि टाटा की होल्डिंग कंपनी टाटा संस लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये की एसेट्स को नियंत्रित करती है। टाटा की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर शेयर बाजार में लिस्टिंग को लेकर चौतरफा दबाव बन रहा है। इसी कड़ी में अब प्रॉक्सी एडवाइजरी या संस्थागत निवेशकों को सलाह देने वाली कंपनी इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से आग्रह किया है कि वह टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी करे। इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने कहा कि हाई लेयर वाली एनबीएफसी के रूप में मार्च 2027 तक सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। इनगवर्न ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मौजूदा नियामकीय आउटलुक में इतने बड़े संस्थान को लिस्टिंग से छूट देने का कोई कानूनी आधार नहीं बचा है।

इसके साथ ही सलाहकार फर्म ने यह मांग भी रखी है कि टाटा संस द्वारा प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) के रूप में रजिस्ट्रेशन समाप्त करने के आवेदन को आरबीआई औपचारिक रूप से खारिज कर दे। बता दें कि

टाटा संस ने मार्च 2024 में यह आवेदन दायर किया था, जिसे फर्म ने सार्वजनिक सूचीबद्धता से बचने की एक कोशिश बताया। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में जारी संशोधित नियामकीय दिशा-निर्देशों के बाद यह आवेदन प्रक्रियात्मक और वास्तविक रूप से अप्रासंगिक हो गया है।

फर्म ने कहा कि स्किल-आधारित नियमन (एसबीआर) स्ट्रक्चर के तहत अनिवार्य सूचीबद्धता से बचने का प्रयास मौजूदा वित्तीय निगरानी मानकों के अनुरूप नहीं है। इनगवर्न ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सूचीबद्धता नियम समूह स्तर पर संबंधित पक्षों में लेनदेन और पूंजी आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हैं। खासकर टाटा संस के तहत टीसीएस, टाटा मोटर्स और टाटा पावर जैसी बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के आने से यह जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई को मार्च 2024 के आवेदन को खारिज करते हुए स्पष्ट आदेश जारी करना चाहिए ताकि एसबीआर स्ट्रक्चर की विश्वसनीयता बनी रहे और टाटा समूह में निवेश करने वाले करोड़ों निवेशकों के हितों की रक्षा हो सके। फर्म ने यह भी कहा कि अप्रैल 2026 के ड्राफ्ट दिशानिर्देशों के तहत एक लाख करोड़ रुपये की एसेट लिमिट को हाई लेयर वाली एनबीएफसी के रूप में वर्गीकरण के लिए मानक बनाया जाना चाहिए। इस आधार पर टाटा संस अपने आकार के कारण स्वतः ही इस श्रेणी में आ जाती है। हालांकि, टाटा संस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। बता दें कि टाटा की होल्डिंग कंपनी टाटा संस लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये की एसेट्स को नियंत्रित करती है।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, आरबीआई गवर्नर ने चेताया बढ़ सकते हैं कर्ज और महंगाई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत की मैक्रोइकोनॉमिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ता सार्वजनिक कर्ज और रक्षा खर्च वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।

नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में आयोजित एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के 25वें वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए मल्होत्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत घरेलू खपत और लगातार सार्वजनिक निवेश का सहारा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर जोर से निजी निवेश को बढ़ावा मिला है और उत्पादन क्षमता का विस्तार हुआ है। सेकेंड-ऑर्डर महंगाई वह स्थिति है, जब किसी शुरुआती झटके जैसे ईंधन, खाद्य पदार्थ या कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था में फैलने लगता है। शुरुआत में महंगाई कुछ चुनिंदा वस्तुओं तक सीमित रहती है, लेकिन समय के साथ इसका प्रभाव अन्य क्षेत्रों पर भी पड़ने लगता है। उदाहरण के तौर पर, अगर पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इससे कंपनियों के लिए उत्पादन और सप्लाई करना महंगा हो जाता है। नतीजतन, वे अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ा देती हैं। इसी तरह, कर्मचारी भी बढ़ती महंगाई के कारण ज्यादा वेतन की मांग करते हैं, जिससे कंपनियों की लागत और बढ़ती है और फिर कीमतें और ऊपर चली जाती हैं।

मल्होत्रा ने यह भी कहा कि भारतीय वित्तीय बाजारों में पिछले वर्षों में नीतिगत सुधारों के कारण परिपक्वता आई है, लेकिन अभी और सुधार की जरूरत है। आरबीआई वित्तीय बाजारों को और गहरा करने, भागीदारी बढ़ाने और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के प्रयास जारी रखेगा। नीतिगत फैसलों में डेटा की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ट्रेड रिपॉजिटरी को डेटा की गुणवत्ता और उपलब्धता बेहतर करनी होगी ताकि जोखिमों का बेहतर आकलन किया जा सके।

मोबाइल पर आ रहा है तेज बीप वाला अलर्ट, सरकार ने शुरू की नेशनल टेस्टिंग

मुंबई, एजेंसी। अगर आपके मोबाइल फोन पर भी अचानक तेज बीप के साथ कोई अलर्ट मैसेज आया है, तो इसे देखकर घबराने की जरूरत नहीं है। यह किसी खतरे की वजह से नहीं, बल्कि सरकार के नए इमरजेंसी वार्निंग सिस्टम का हिस्सा है। सरकार देश में एक ऐसा सिस्टम लागू कर रही है, जिसका मकसद आपदा या आपात स्थिति में लोगों को तुरंत और सटीक जानकारी देना है, ताकि समय रहते सुरक्षा के कदम उठाए जा सकें।

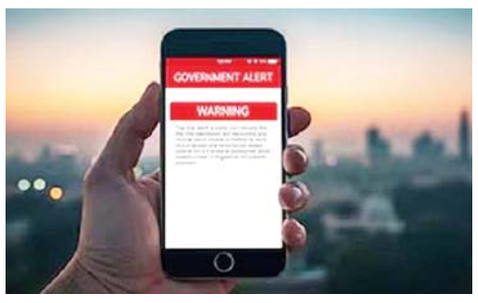

इस पहल को दूरसंचार विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर चला रहे हैं। इसके लिए एक खास डिजिटल प्लेटफॉर्म 'सैशे' का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स ने तैयार किया है। यह सिस्टम सेल ब्रॉडकास्ट टेक्नोलॉजी पर काम करता है। इसका मतलब यह है कि संदेश किसी एक व्यक्ति या नंबर पर नहीं भेजा जाता, बल्कि एक साथ किसी खास इलाके में मौजूद सभी मोबाइल फोन तक पहुंच जाता है। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपदा के समय जब नेटवर्क पर बहुत ज्यादा दबाव होता है, तब भी यह अलर्ट बिना देरी के लोगों तक पहुंच जाता है। इस सिस्टम का उपयोग भूकंप, सुनामी, बिजली गिरने, गैस लीक, बाढ़ या किसी अन्य गंभीर आपात स्थिति में लोगों को पहले से सतर्क करने के लिए किया जाएगा। खास बात यह है कि यह पूरी तकनीक भारत में ही विकसित की गई है, जिससे देश की डिजिटल और तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलती है। साफ शब्दों में कहे तो, आपके फोन पर आने वाला यह तेज अलर्ट डराने के लिए नहीं, बल्कि समय रहते आपको सुरक्षित रखने के लिए एक चेतावनी संदेश है।

बदल गए एनपीएस अकाउंट से जुड़े कई नियम, निवेशकों के लिए जानना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर नेशनल पेंशन सिस्टम में निवेश करते हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने जुड़े कुछ नियमों को लेकर स्पष्टीकरण दिया है। इसके तहत, मुख्य रूप से एनुअल मेंटेनेंस चार्ज निष्क्रिय खातों की फीस और जुड़े चार्जेज को लेकर स्पष्टता दी गई है, ताकि सभी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसियों में एकरूपता लाई जा सके। आइए डिटेल में इन नए नियमों को समझ लेते हैं। नए नियमों के तहत टियर- खातों का एनुअल मेंटेनेंस चार्ज अब टियर- खातों के समान सेक्टर (सरकारी या निजी) के अनुसार तय होगा। वहीं छोटे निवेशकों को राहत देते हुए 1000 तक बैलेंस वाले टियर-खातों पर कोई एनुअल मेंटेनेंस चार्ज नहीं लगेगा। इसके अलावा, हर पेंशन स्कीम को अलग अकाउंट माना जाएगा और उस पर अलग-अलग एनुअल मेंटेनेंस चार्ज लगाया जाएगा। इसका नुकसान उन निवेशकों को होगा जिन्होंने कई स्कीम में निवेश किया है। अब उनके कुल खर्च में बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, निवेशकों के निष्क्रिय खातों के लिए भी राहत दी गई है। अगर किसी निवेशक ने लगातार चार तिमाहियों तक कोई योगदान नहीं होता है, तो अकाउंट को निष्क्रिय

यानी डोरमेंट माना जाएगा और उस पर एनुअल मेंटेनेंस चार्ज 10 प्रतिशत लगेगा। इस अकाउंट को दोबारा एक्टिव करने के लिए कंट्रिब्यूशन शुरू करना होगा। शुल्कों के संबंध में भी स्पष्टीकरण दिया गया है। खोलने का शुल्क केवल एक बार लिया जाएगा। ये शुरुआती खाता बनाते समय लिया जाएगा।

शुल्कों पर भी भ्रम दूर करते हुए बताया गया है कि खोलने का शुल्क केवल एक बार लिया जाएगा और मौजूदा नए खाते खोलने या सक्रिय करने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। नियामक ने अटल पेंशन योजना और लाइट योजनाओं के तहत शून्य बैलेंस वाले खातों के लिए भी शून्य निर्धारित किया है। इसका फायदा कम आय वर्ग के निवेशकों को मिलेगा। जानकारी के मुताबिक सभी शुल्क हर तिमाही के अंत में वसूले जाएंगे, जो या तो नियोक्ता के माध्यम से या सीधे निवेशक के खाते से काटे जाएंगे। बता दें कि हाल ही में एनपीएस हेल्थ का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके नियामकीय प्राधिकरण के रूप में काम करता है जबकि इस योजना के लिए 'मेडिअसिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज' मुख्य टेक्नीकल पार्टनर के रूप में डिजिटल इंफ्रा मुहैया करा रही है। वहीं, कैम्स केआरए ग्राहकों के रजिस्ट्रेशन और केवाईसी सुविधा में सहयोग करती है। टाटा पेंशन फंड और एक्सिस पेंशन फंड को इसके लिए नामित पेंशन फंड मैनेजर बनाया गया है। इसके अलावा, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस इंटीग्रेटेड टॉप-अप बीमा कवर देती है और मेडिअसिस्ट टीपीए दावों का प्रबंधन करती है।

ओप्पो इंडिया ने मिड रेंज में सेल्फी चैंपियन एफ33 सीरीज़ लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने भारत में ओप्पो एफ33 सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमें दो स्मार्टफोन, ओप्पो एफ33 प्रो 5जी और ओप्पो एफ33 5जी शामिल हैं। एफ 33 सीरीज़ ओप्पो की एफ लाईन में अभी तक की सबसे आधुनिक सीरीज़ है, जिसमें सेगमेंट में सबसे बेहतर 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड सेल्फी कैमरा, आईपी69के ड्यूरेबिलिटी, 7,000 एम.ए.एच की जबरदस्त बैटरी, कलरओएस16 और 5जी++ कनेक्टिविटी दी गई है।

ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने बताया कि एफ सीरीज़ भारत की सबसे ड्यूरेबल चैंपियन है। यह स्मार्टफोन जीवन की वास्तविक परिस्थितियों के लिए बनाया गया है। एफ33 सीरीज़ में हमने इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए 100 डिग्री एफ.ओ.वी (फील्ड ऑफ व्यू) के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड सेल्फी कैमरा और कई ए.आई इमेजिंग फीचर्स दिए हैं। हमारी कोशिश है कि ड्यूरेबिलिटी और शानदार फोटोग्राफी के लिए ग्राहकों को महंगी कीमत न चुकानी पड़े। ग्राहकों को मॉनसून की ट्रैकिंग पर जाने की ड्यूरेबिलिटी और ग्रुप में हर व्यक्ति को सेल्फी में कैप्चर करने जैसी खूबियाँ एक ही स्मार्टफोन में मिल सकें। एफ33 हमारे

इस वादे को पूरा करता है और भारत की मोबाइल-फर्स्ट पीढ़ी को वो सभी खूबियाँ प्रदान करता है, जिनके वो हकदार हैं।''

0.6एक्स तक के स्मार्ट ऑटो-स्विच के साथ सेगमेंट का सबसे बेहतर सेल्फी कैमरा: ओप्पो की सेल्फी चैंपियन एफ33 सीरीज़ में 100 डिग्री फील्ड ऑफ व्यू के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाईड फ्रंट कैमरा है। यह अपने सेगमेंट में सबसे बड़े स्पेस को कैप्चर करने वाला और सबसे ज्यादा रिज़ॉल्यूशन वाला कैमरा है। इसमें ई.आई.एस, ऑटोफोकस और जीसी50एफ6 सेंसर (एफ/2.0, 18 मिमी फोकल लैंथ, 5पी लेंस) जैसी खूबियाँ दी गई हैं। यह पिछली जनरेशन की फ्रेमिंग की तुलना में एक मीटर की दूरी से लगभग 30 प्रतिशत ज्यादा क्षेत्र को कैप्चर करता है। इसलिए सेल्फी में और ज्यादा लोग, और अधिक कॉन्टैक्स्ट तथा ज्यादा मूमेंट आ सकते हैं, और किसी चेहरे को भी क्रॉप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

एफ33 प्रो की कैमरा इंटैलिजेंस रिज़ॉल्यूशन से भी बढ़कर है। ओप्पो का ए.आई ग्रुपफी एक्सपर्ट फ्रेम में दो चेहरों का प्रवेश होते ही ऑटोमैटिक 0.6एक्स तक चौड़ा हो जाता है। इसके लिए न तो टैप करने की जरूरत पड़ती है, न ही ऐप टटोलना पड़ता है और न ही कोई मूमेंट चूकता है। फेस डिस्टॉर्शन करेक्शन एल्गोरिद्म एक साथ छः सब्जेक्ट्स तक को ट्रैक कर सकती है, जिससे 100 डिग्री के फील्ड ऑफ व्यू तक किनारों पर प्राकृतिक अनुपात बने रहते हैं। इसलिए इस स्मार्टफोन से ग्रुप सेल्फी लेना बहुत आसान है, फिर चाहे आप जयपुर में रूफटॉप पर होंया फिर कूर्ग के विशाल व्यूपॉईंट में सेल्फी ले रहे हों।

फ्रंट कैमरा सिस्टम के चारों ओर कलरफुल फ्रंट फिल लाईट दी गई है। व्हाईट फ्लैश की जगह दिए गए इस मल्टी-कलर फ्लैश से सॉफ्ट, स्किन-टोन-फ्रेंडली इल्युमिनेशन प्राप्त होता है, जो कम रोशनी में, जब अन्य कैमरा दिक्कत देने लगते हैं, तब भी बेहतरीन सेल्फी प्रदान करता है। इस कैमरा सिस्टम से मिली सेल्फी फ्लैश की हुई नहीं, बल्कि बिल्कुल प्राकृतिक दिखाई देती हैं।

10000 महंगी हुई चांदी, सोना भी चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना-चांदी की कीमत में फिर से तेजी दिखाई दे रही है। गुडरिटर्न्स के मुताबिक शनिवार को सोना और चांदी की कीमत में बड़ी तेजी आई। वहीं एक दिन पहले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी सोना-चांदी तेजी के साथ बंद हुए। आज शनिवार है। ऐसे में एमसीएक्स और सर्राफा बाजार में कोई कारोबार नहीं होगा। शुक्रवार को भी सर्राफा बाजार मजदूर दिवस के कारण बंद रहा था। ऐसे सर्राफा बाजार में सोना-चांदी का अभी वही भाव है जो गुरुवार शाम को था। गुडरिटर्न्स के मुताबिक शनिवार को 24 कैरेट के सोने में प्रति 10 ग्राम 330 रुपये की तेजी आई। इस तेजी के साथ सोना प्रति 10 ग्राम 1,50,930 रुपये पर पहुंच गया। चांदी में प्रति किलो 10,000 रुपये का उछाल आया। इस तेजी के साथ चांदी की कीमत बढ़कर 2.65 लाख रुपये प्रति किलो पहुंच गई। वहीं अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, गुरुवार को बाजार बंद होने तक सोने की कीमत बढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी। चांदी के दाम टूटकर 2,42,700 रुपये प्रति किलो हो गए थे। सर्राफा बाजार में सोना-चांदी की कीमत शनिवार को वहीं है जो गुरुवार को थी। एमसीएक्स पर सोना-चांदी का क्या भाव एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई। शुक्रवार को जून डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 11 रुपये की तेजी के साथ 1,51,363 रुपये पर बंद हुआ। वहीं चांदी का भाव प्रति किलो 1198 रुपये बढ़ गया। इसके बढ़े हुए भाव के साथ चांदी की कीमत 2,47,500 रुपये पर पहुंच गई। शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहेगा। एमसीएक्स पर नया भाव अब सोमवार सुबह 9 बजे पता चलेगा।

आईएमएफ का दावा: भारत में डिजिटल सिस्टम से छोटे उद्यमों की कमाई बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल का असर अब साफ तौर पर दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक नई स्टडी के मुताबिक, जिन राज्यों ने प्रशासनिक कामकाज को तेजी से ऑनलाइन किया, वहां छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता बढ़ी है और अलग-अलग कंपनियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है।

यह अध्ययन 2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित है। इसमें अलग-अलग राज्यों के कारोबारों की तुलना की गई, खासकर उन राज्यों की जिन्होंने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कामों को डिजिटल किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों ने ज्यादा डिजिटल सुधार

अपनाए, वहां कारोबारों की काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) तेजी से बढ़ी। साथ ही कंपनियों के बीच जो फर्क पहले ज्यादा था, वह भी कम हुआ। इसका मतलब है कि छोटे और बड़े कारोबारों के बीच प्रतिस्पर्धा अब ज्यादा संतुलित हुई है। 2014 में राज्यों ने मिलकर 98-पॉइंट एक्शन प्लान लागू किया था, जिसका मकसद बिजनेस के लिए नियम आसान बनाना और ज्यादा से ज्यादा प्रक्रियाओं को ऑनलाइन करना था। इसके तहत छह मुख्य क्षेत्रों टैक्स सिस्टम, निर्माण परमिट, पर्यावरण और श्रम नियम, निरीक्षण, व्यावसायिक विवाद और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस में सुधार किए गए। डिजिटल सिस्टम आने से छोटे कारोबारियों का काम काफी आसान हुआ। अब उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ते हैं, समय और पैसा दोनों की बचत होती है। ऑनलाइन टैक्स फाइलिंग और ऑटोमेटेड मंजूरी जैसी सुविधाओं ने पारदर्शिता बढ़ाई है और देरी को कम किया है।

मुंबई में आवासीय मांग मजबूत, राजस्व वृद्धि में मामूली वृद्धि के साथ स्टाम्प शुल्क संग्रह बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में आवासीय पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में 13,864 संपत्ति लेनदेन के आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 6 प्रतिशत की अधिक हैं और यह एक दशक से अधिक समय में अप्रैल महीने के सबसे मजबूत आवासीय प्रदर्शन रहा है।

जानकारों का कहना है यह उछाल शहरों आवासीय बाजार में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को दिखाता है। पिछले साल अप्रैल 2025 की तुलना में इस साल अप्रैल में 14 साल का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। इस महीने स्टाम्प शुल्क संग्रह 1,114 करोड़ रुपये से अधिक रहा, हालांकि पंजीकरण में वृद्धि के बाद भी राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर देखे तो लगभग एक प्रतिशत रही है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के इंटरनेशनल पार्टनर चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल बताते हैं, मुंबई में आवासीय बाजार लगातार मजबूत

प्रदर्शन कर रहा है और अप्रैल 2026 में पिछले एक दशक में किसी भी अप्रैल महीने की तुलना में सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया गया है। पंजीकरण में लगातार उच्च वृद्धि बनी हुई है। बावजूद इसके टिकट के आकार में मामूली बदलाव की वजह से (यानी बड़े महंगे घरों की तुलना में मध्यम बजट वाले घरों की मांग) स्टाम्प शुल्क संग्रह में थोड़ी नरमी आई है, लेकिन मांग लगातार बनी हुई है। पिछले 14 वर्षों में अप्रैल महीने में सबसे अधिक पंजीकरण होना बाजार में अंतिम उपभोक्ताओं की मांग को दिखाते हैं। हालांकि स्टाम्प शुल्क संग्रह कुछ स्तर तक स्थिर रहा है, जो मध्य श्रेणी की आवास की ओर लेनदेन में बदलाव का संकेत देता है। यह भविष्य के लिए काफी अच्छा है, इससे यह भी पता चलता है, कि मध्यम वर्ग उपभोक्ता अपने घरों की खरीदारी को अब तेज कर रहे हैं, जिसमें छोटे टिकट साइज वाले आवासीय परियोजनाओं को लेकर मांग बढ़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण 13 प्रतिशक की गिरावट आई स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह गिरावट मौसमी है।

स्कूटी पर निकले उप मुख्यमंत्री अरुण साव, नगर भ्रमण कर विकास कार्यों का लिया जायजा

रायपुर 4 मई हिन्द मित्र।

उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक अरुण साव ने कल शनिवार को लोरमी नगर में स्कूटी से भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने रानीगांव में गार्डन, तालाब और मुक्तिधाम निर्माण कार्यों का जायजा लिया। अरुण साव ने प्रवेश द्वार, नाली निर्माण और मनियारी नदी पर बन रहे पुल की प्रगति की जानकारी लेकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बस स्टैंड जिम में युवाओं से संवाद किया और स्लम स्वास्थ्य योजना के मेडिकल यूनिट का अवलोकन कर स्वास्थ्य सुविधाओं को परखा। साथ ही नालंदा परिसर (आधुनिक लाइब्रेरी) के निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया। उप मुख्यमंत्री साव ने भ्रमण के दौरान बच्चों और महिलाओं से आत्मीय मुलाकात कर उनका सुख-दुख जाना। उन्होंने ब्राह्मण पारा में जादूगर द्वारा दिखाए जा रहे जादू का आनंद भी लिया। उप मुख्यमंत्री साव ने लोरमी में अपने विधायक कार्यालय में स्थानीय नागरिकों के साथ विकास कार्यों पर चर्चा की और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने राम्हेपुर स्थित शिव मंदिर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कहा कि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण विकास से ही जनता का भरोसा मजबूत होता है।

चंदागढ़ में अचानक उतरा सीएम साय का हेलीकॉप्टर

सुशासन तिहार: बरगद की छांव में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद

मुख्यमंत्री साय पहुंचे 'लखपति दीदी' सुमिला की किराना दुकान : लौंग-इलायची से हुआ आत्मीय स्वागत

जशपुर 4 मई हिन्द मित्र।

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के दौरान रविवार को जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अचानक गांव की एक छोटी-सी किराना दुकान पर पहुंच गए। यह दुकान 'लखपति दीदी' सुमिला कोरवा द्वारा संचालित है, जिन्होंने अपनी मेहनत और संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है।

मुख्यमंत्री ने सुशासन तिहार के दौरान गांव के बीच विशाल बरगद के पेड़ की छांव में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

जनचौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से राशन, नमक, शक्कर, बिजली-पानी और राजस्व संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली। शिकायतें सामने आने पर उन्होंने कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं को लंबित न रखा जाए और उनका समय पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे यहां सिर्फ समस्याएं सुनने नहीं, बल्कि उनका समाधान सुनिश्चित करने आए हैं।

चंदागढ़ और भैंसामुड़ा को मिली बड़ी सौगातें: क गांव में भव्य सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा।

- खेल प्रेमी युवाओं के लिए मिनी स्टेडियम की मंजूरी दी गई।
- गांव की गलियों में जल्द ही सीसी रोड का जाल बिछेगा।
- स्कूली बच्चों को क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म बांटने का आदेश दिया।

अटल डिजिटल केंद्रों से बदलेगी गांव की तस्वीर: मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों से उनकी आय और चरण पादुका योजना पर भी बात की। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि अब उन्हें जाति या निवास प्रमाण पत्र के लिए शहर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। पंचायतों में बने अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के जरिए ये सारे काम गांव में ही होंगे।

मुख्यमंत्री साय का हेलीकॉप्टर गांव में उतरते ही वे सीधे हेलीपैड के पास स्थित सुमिला की दुकान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री को सामने देखकर सुमिला कोरवा भावुक हो उठीं और उन्होंने परंपरागत अंदाज में लौंग-इलायची खिलाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय ने सुमिला से मुलाकात कर उनकी मेहनत और सफलता की कहानी जानी। सुमिला ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 1 लाख रुपये का ऋण लेकर गांव में किराना दुकान शुरू की थी, जो आज परिवार की आय का मजबूत साधन बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने दुकान से ठंडा पानी और फलाहारी चिवड़ा खरीदा तथा खुद पैसे देकर सुमिला की मेहनत का सम्मान किया। सुमिला की लगन और आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वह लखपति दीदी हैं और आगे करोड़पति दीदी भी बनेंगी।

विधायक गोमती साय और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस चौपाल ने साबित कर दिया कि सरकार अब जनता के द्वार पर है।

सुशासन तिहार मतलब जनता के साथ धोखा 2.0 सिर्फ आवेदन लिया जाएगा निराकरण नही

पिछले सुशासन तिहार में 40 लाख से अधिक आवेदन मिले थे कितनों का समाधान हुआ?

रायपुर 4 मई हिन्द मित्र।

सुशासन तिहार को जनता के साथ धोखा 2.0 करार देते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सुशासन तिहार आमजनता के साथ धोखा 2.0 है पिछली बार सुशासन तिहार में 40 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे जिसे सिर्फ निरस्त किया गया है समस्या एवं मांग आज भी बरकरार है ऐसे में अभी भी सुशासन तिहार में वही समस्या एवं मांग पत्र जनता देगी जिसका निराकरण नही होगा।तो सुशासन तिहार का क्या मतलब जब समस्या जस की तस हो।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा पिछले वर्ष हुई सुशासन तिहार में 10 लाख से अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास की मांग की थी, 2 लाख से अधिक आवेदन उज्जवला गैस योजना के लिए लगभग पौने दो लाख से अधिक आवेदन नया राशन कार्ड के लिए, 70000 से अधिक आवेदन सड़क पुल पुलिया निर्माण की मांग की एवं 25 लाख से अधिक आवेदन अन्य मांगों से जुड़ी हुई थी। कितना आवेदनकर्ताओं की मांग पूरी हुई है सरकार को सूची सार्वजनिक करना चाहिये।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सुशासन तिहार में जनता को बताना चाहिये कि भाजपा के गारंटी के अनुसार अब तक 500 रु में रसोई गैस सिलेंडर क्यो नही दिया गया? 1 लाख सरकारी नोकरी और 57 लाख शिक्षकों की भर्ती की गारंटी थी अभी तक 5 हजार भर्ती भी नही हुई?महिला स्वसहायता समूह को रेडी टू ईट का काम क्यो नही मिला?गांव में पेयजल की उपलब्धता क्यो नही है?40त्न महिलाओं को महतारी वंदन योजना से दूर क्यो रखा गया है? शराब बंद क्यो नही हुई शिक्षा के अधिकार के तहत गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में भर्ती के लिए 38 हजार सीट कम क्यो कर दी गई?अनियमित कर्मचारियों का नियमितिकरण क्यो नही हुआ?गरीब को जमीन खरीदने में रजिस्ट्री में मिलने वाली 30त्न छूट क्यो खत्म कर दी गई?

शोक सूचना

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री राजेश शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती मंजूला शर्मा (63 वर्ष), तिल्दाडीह वाले का आकस्मिक निधन कल रात्रि मुंबई में हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज, बुधवार दिनांक 4 मई 2026 को प्रातः 8ः00 बजे, उनके निवास स्थान कैनरा बैंक के बाजू, रायपुरा रोड से महादेव घाट के लिए प्रस्थान करेगी, जहां अंतिम संस्कार संपन्न होगा। वे सेम्हरा निवासी स्व. डॉ. गिरधर प्रसाद शर्मा जी की द्वितीय पुत्री थीं। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। राकेश शर्मा की भाई बहु ,रमेश शर्मा की भाभी थी।

साय सरकार ने ढाई साल में राज्य में रोजगार के अवसर घटे बेरोजगारी बढ़ी

रायपुर 4 मई हिन्द मित्र। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार ढाई साल में एक भी युवा को रोजगार नहीं दे पायी है, बल्कि युवाओं से रोजगार छीनने का ही काम किया है। कांग्रेस सरकार में बेरोजगारी दर मात्र 0.60 प्रतिशत था। भाजपा सरकार बनने के बाद बेरोजगारों की संख्या में भारी वृद्धि हुआ है। आज बेरोजगारी दर 4.5 प्रतिशत है। ढाई साल में बीएड शिक्षक, अतिथि शिक्षक, विद्या मितान, क्रेडा के संविदा कर्मचारी, अनियमित कर्मचारी, विद्युत विभाग के

कर्मचारी, वन विभाग के संविदा कर्मचारियों, गोठान महिला स्व सहायता समूह, रीपा के तहत रोजगार प्राप्त कर रहे लोगों को काम से बेदखल किया गया, ई-श्रेणी के लाइसेंस में काम कर रहे युवाओं से भी काम छिन गया है, पूरे प्रदेश में विकास कार्य ठप है कोई नई भर्ती पूरी नहीं हुई है पूर्व से चल रही भर्ती में भी नियुक्तियां नहीं दी जा रही है हर विभाग में काम करने वाले युवाओं से उनका हक अधिकार को छीना गया है। ऐसे में साय सरकार का रोजगार देने का दावा सरासर जुमला और मनगढ़ंत आंकड़े हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ढाई साल में कितने युवाओं को सरकारी नौकरी में भर्ती का अवसर दिया गया है कितने मजदूरों को काम दिया गया है रोजगार देने के लिए क्या नई योजना लायी गयी है? भाजपा की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ में यूपी की तरह युवा रोजगार के लिए सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं सिर का मुंडन करवा रहे हैं बीएड, डीएड शिक्षक आंदोलन कर रहे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में प्रदेश के युवाओं को एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती देने का वादा किया था, अनियमित कर्मचारियों को 100 दिन में नियमित करने का वादा था, ढाई साल में एक भी युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं दे पाई है बल्कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान रोजगार देने चलाई जा रही सारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है।

रायपुर में जनसंख्या असंतुलन और समाधान विषय पर विश्व हिंदू परिषद की संगोष्ठी संपन्न

रायपुर 4 मई हिन्द मित्र।

विश्व हिंदू परिषद द्वारा राजधानी रायपुर के समता कॉलोनी में जनसंख्या असंतुलन और समाधान विषय पर एक भव्य एवं विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संगोष्ठी में भारत की जनसंख्या वृद्धि, उससे उत्पन्न सामाजिक और आर्थिक प्रभाव, क्षेत्रीय असंतुलन तथा समाधान के उपायों पर गंभीर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार रहे मुख्य वक्ता: कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष-द्यश्वद्म चह्वद्वड्डुह्न मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भारत की वर्तमान जनसंख्या स्थिति पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन चुका है। यह स्थिति एक ओर देश के लिए अवसर लेकर आई है, वहीं दूसरी ओर कई बड़ी चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है। जनसंख्या केवल संख्या नहीं, बल्कि यह राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक ढांचा, संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से सीधा जुड़ा विषय है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि दर में आ रही कमी: संगोष्ठी में बताया गया कि भारत की जनसंख्या अभी भी बढ़ रही है, लेकिन इसकी वृद्धि दर में लगातार कमी देखी जा रही है। वर्ष 2011 से 2021 के दशक में जनसंख्या वृद्धि लगभग 12.5 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जबकि वर्ष 2021 से 2031 के बीच यह दर घटकर लगभग 8.4 प्रतिशत तक आने की संभावना है। यह संकेत देता है कि देश में जागरूकता और परिवार नियोजन के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है।

कुल प्रजनन दर में आई गिरावट: वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 2024 तक भारत की कुल प्रजनन दर घटकर लगभग 2.0 तक पहुंच गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर के करीब मानी जाती है। इसका अर्थ है कि अब देश में औसत परिवारों में बच्चों की संख्या नियंत्रित हो रही है। यह जनसंख्या स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है।

उत्तर और दक्षिण भारत में जनसंख्या असंतुलन कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि भारत में जनसंख्या का वितरण समान नहीं है। दक्षिण भारत के कई राज्यों में प्रजनन दर काफी कम हो चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अभी भी यह दर अपेक्षाकृत अधिक है। इससे क्षेत्रीय जनसंख्या असंतुलन की स्थिति बन रही है, जिसका प्रभाव संसदीय प्रतिनिधित्व, संसाधन वितरण और सामाजिक योजनाओं पर पड़ सकता है।

लिंग अनुपात भी बड़ी चुनौती: संगोष्ठी में लिंग अनुपात को भी एक गंभीर विषय बताया गया। कई क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं की संख्या में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच, शिक्षा और समान अवसर की भावना को मजबूत करना आवश्यक है।

युवा आबादी भारत की ताकत: कार्यक्रम में बताया गया कि वर्ष 2011 के अनुसार भारत की लगभग 27 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष आयु वर्ग की थी। यह भारत के लिए एक बड़ी शक्ति है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराया जाए तो यही युवा शक्ति भारत को विश्व नेतृत्व तक पहुंचा सकती है।

जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारणों पर चर्चा: वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के कारण शिशु मृत्यु दर और सामान्य मृत्यु दर में कमी आई है, जिससे जनसंख्या वृद्धि हुई। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की कमी के कारण परिवार नियोजन के महत्व को लोग पूरी तरह नहीं समझ पाते। गरीबी, सामाजिक जागरूकता की कमी और कम उम्र में विवाह भी जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

बढ़ती आबादी के दुष्परिणाम: संगोष्ठी में बताया गया कि बढ़ती जनसंख्या के कारण

जमीन, पानी, खाद्यान्न और प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव बढ़ रहा है। बड़ी कार्यशील आबादी के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना चुनौती बनता जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क, आवास और अन्य बुनियादी ढांचे पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

सरकार के प्रयासों की सराहना: कार्यक्रम में बताया गया कि भारत सरकार परिवार नियोजन, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। इन प्रयासों से देश की प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की गई है।

सामाजिक समरसता पर भी हुई चिंतन बैठक: कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता विषय पर समाज के प्रमुखजनों के साथ विशेष चिंतन बैठक भी आयोजित की गई। इसमें सामाजिक एकता, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा, पारिवारिक व्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका पर चर्चा हुई।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति: इस अवसर पर विहिप के प्रदेश मंत्री पूर्णेन्द्र सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल , प्रदेश प्रवक्ता ऋषि मिश्राविहिप जिला अध्यक्ष भगवती शर्मा, बजरंग दल प्रमुख शुभमनाग,विहिप विभाग मंत्री हरदीप सिंह सैनी ,जिला मंत्री बंटी कटरे सहित भाजपा, विहिप और बजरंग दल के प्रदेश पदाधिकारी ,कार्यकर्ता और समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम: विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी अत्यंत सफल और प्रभावशाली रही। उपस्थित लोगों ने इसे समय की आवश्यकता बताते हुए ऐसे विषयों पर निरंतर जनजागरण चलाने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित, सामाजिक जागरूकता और संतुलित विकास के संकल्प के साथ हुआ।

विश्व हिंदू परिषद द्वारा राजधानी रायपुर के समता कॉलोनी में जनसंख्या असंतुलन और समाधान विषय पर एक भव्य एवं विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संगोष्ठी में भारत की जनसंख्या वृद्धि, उससे उत्पन्न सामाजिक और आर्थिक प्रभाव, क्षेत्रीय असंतुलन तथा समाधान के उपायों पर गंभीर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार रहे मुख्य वक्ता: कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष-द्यश्वद्म चह्वद्वड्डुह्न मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भारत की वर्तमान जनसंख्या स्थिति पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन चुका है। यह स्थिति एक ओर देश के लिए अवसर लेकर आई है, वहीं दूसरी ओर कई बड़ी चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है। जनसंख्या केवल संख्या नहीं, बल्कि यह राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक ढांचा, संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से सीधा जुड़ा विषय है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि दर में आ रही कमी
संगोष्ठी में बताया गया कि भारत की जनसंख्या अभी भी बढ़ रही है, लेकिन इसकी वृद्धि दर में लगातार कमी देखी जा रही है। वर्ष 2011 से 2021 के दशक में जनसंख्या वृद्धि लगभग 12.5 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जबकि वर्ष 2021 से 2031 के बीच यह दर घटकर लगभग 8.4 प्रतिशत तक आने की संभावना है। यह संकेत देता है कि देश में जागरूकता और परिवार नियोजन के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है।

कुल प्रजनन दर में आई गिरावट: वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 2024 तक भारत की कुल प्रजनन दर घटकर लगभग 2.0 तक पहुंच गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर के करीब मानी जाती है। इसका अर्थ है कि अब देश में औसत परिवारों में बच्चों की संख्या नियंत्रित हो रही है। यह जनसंख्या स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है।

उत्तर और दक्षिण भारत में जनसंख्या असंतुलन
कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि भारत में जनसंख्या का वितरण समान नहीं है। दक्षिण भारत के कई राज्यों में प्रजनन दर काफी कम हो चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अभी भी यह दर अपेक्षाकृत अधिक है। इससे क्षेत्रीय जनसंख्या असंतुलन की स्थिति बन रही है, जिसका प्रभाव संसदीय प्रतिनिधित्व, संसाधन वितरण और सामाजिक योजनाओं पर पड़ सकता है।

लिंग अनुपात भी बड़ी चुनौती: संगोष्ठी में लिंग अनुपात को भी एक गंभीर विषय बताया गया। कई क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं की संख्या में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच, शिक्षा और समान अवसर की भावना को मजबूत करना आवश्यक है।

युवा आबादी भारत की ताकत: कार्यक्रम में बताया गया कि वर्ष 2011 के अनुसार भारत की लगभग 27 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष आयु वर्ग की थी। यह भारत के लिए एक बड़ी शक्ति है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराया जाए तो यही युवा शक्ति भारत को विश्व नेतृत्व तक पहुंचा सकती है।

जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारणों पर चर्चा: वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के कारण शिशु मृत्यु दर और सामान्य मृत्यु दर में कमी आई है, जिससे जनसंख्या वृद्धि हुई। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की कमी के कारण परिवार नियोजन के महत्व को लोग पूरी तरह नहीं समझ पाते। गरीबी, सामाजिक जागरूकता की कमी और कम उम्र में विवाह भी जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

बढ़ती आबादी के दुष्परिणाम: संगोष्ठी में बताया गया कि बढ़ती जनसंख्या के कारण जमीन, पानी, खाद्यान्न और प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव बढ़ रहा है। बड़ी कार्यशील आबादी के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना चुनौती बनता जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क, आवास और अन्य बुनियादी ढांचे पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

सरकार के प्रयासों की सराहना: कार्यक्रम में बताया गया कि भारत सरकार परिवार नियोजन, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। इन प्रयासों से देश की प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की गई है।

सामाजिक समरसता पर भी हुई चिंतन बैठक: कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता विषय पर समाज के प्रमुखजनों के साथ विशेष चिंतन बैठक भी आयोजित की गई। इसमें सामाजिक एकता, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा, पारिवारिक व्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका पर चर्चा हुई।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति: इस अवसर पर विहिप के प्रदेश मंत्री पूर्णेन्द्र सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल , प्रदेश प्रवक्ता ऋषि मिश्राविहिप जिला अध्यक्ष भगवती शर्मा, बजरंग दल प्रमुख शुभमनाग,विहिप विभाग मंत्री हरदीप सिंह सैनी ,जिला मंत्री बंटी कटरे सहित भाजपा, विहिप और बजरंग दल के प्रदेश पदाधिकारी ,कार्यकर्ता और समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कल्पना शुक्ला द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित कर आम बगीचा, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित, संपादक- कुलदीप शुक्ला मो.- 9993255740- E-mail: hindmitranews@gmail.com RNI: CHHMUL/2021/80422